लखनऊ मण्डल के सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली, फैजाबाद, हरदोई जनपदों में प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल.डब्ल्यू./एन.पी.–503/2003, लखनऊ
आर.एन.आई. नं. – 70121/98

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समाजवाद का उदय

लखनऊ व गौतमबुद्धनगर नोएडा से एक साथ प्रकाशित

● वर्ष 17 ● अंक 108 www.samajwadkauday.com ● लखनऊ, शुक्रवार, 23 जनवरी 2015 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 2.00 रुपये

सिनेमा
'सावधान इंडिया' में मार्शल आर्ट्स सिखाएंगे अक्षय

विविध
मिल गई परी

खेल जगत
दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराया

स्व0 जनेश्वर मिश्र ने हमेशा गरीबों, नौजवानों और आम लोगों के लिए संघर्ष किया : मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने स्व0 जनेश्वर मिश्र को श्रद्धांजलि दी

लखनऊ 22 जनवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने स्व0 जनेश्वर मिश्र की 5वीं पुण्य तिथि पर आज यहां जनेश्वर मिश्र पार्क में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्व0 जनेश्वर मिश्र ने हमेशा गरीबों, नौजवानों और आम लोगों के लिए संघर्ष किया। वे गरीबों के सच्चे हमदर्द थे। उनके व्यक्तित्व में इतना आकर्षण था कि उनके एक आह्वान पर समाजवादी विचारधारा के लोग मरने–मिटने को तैयार रहते थे। उनकी कथनी और करनी एक थी। जनेश्वर मिश्र जी के लिए समाजवादी विचारधारा केवल भाषण की बात नहीं थी, बल्कि वे इसे जीते भी थे। उनके विचार हमेशा अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष करने की प्रेरणा देते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी हमेशा इच्छा शक्ति, संघर्ष एवं साहस की बदौलत आगे बढ़ने का काम करते हैं।

श्री यादव ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार स्व0 जनेश्वर मिश्र के बताए मार्ग पर चल रही है। प्रदेश सरकार द्वारा जनता के हित में अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही '108' समाजवादी स्वास्थ्य सेवा व '102' नेशनल एम्बुलेंस सर्विस काफी लोकप्रिय साबित हुई हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पेंशन योजना से 40 लाख गरीब परिवारों को लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 12वीं पास छात्र–छात्राओं को निःशुल्क लैपटॉप वितरित किए गए, जिससे वे उच्च्व तकनीकी शिक्षा से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि जितनी जन कल्याणकारी योजनाएं प्रदेश में संचालित हो रही है, उतनी अन्य किसी भी राज्य में नहीं चल रही है। इस अवसर पर राज्य सरकार के मंत्री, सांसद, जनप्रतिनिधिगण व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पार्टी में शामिल नहीं हो रहे सौरभ गांगुली: भाजपा

कोलकाता 22 जनवरी। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सिद्धार्थ नाथ सिंह ने आज इन अटकलों को खारिज किया कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रहे सौरभ गांगुली पार्टी में शामिल होने वाले हैं। सिंह ने कहा कि इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है।

सिंह ने बताया, "एक उद्योगपति के इस ट्वीट में कोई सच्चाई नहीं है कि सौरभ गांगुली पार्टी में शामिल होने वाले हैं। बहरहाल, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान के लिए हमारे मन में बहुत आदर एवं सम्मान है। हमारे कुछ नेताओं के भी उनसे काफी मधुर संबंध हैं।" बीती रात एक उद्योगपति ने ट्वीट किया था कि सौरभ गांगुली भाजपा में शामिल होने वाले हैं।

मुजफ्फरपुर घटना की सीबीआई जांच की मांग

अलीगढ़ 22 जनवरी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के छात्रों ने बिहार के मुजफ्फरपुर में हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ बुधवार शाम परिसर में कैंडल लाइट मार्च निकाला और राष्ट्रपति से घटना की सीबीआई जांच कराने की मांग की। मार्च का आयोजन सर सैयद अल्पसंख्यक फाउण्डेशन ने किया।

फाउण्डेशन ने राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को संबोधित ज्ञापन में कहा कि देश में सांप्रदायिक तनाव की घटनाएं खतरनाक ढंग से बढ़ रही हैं। यदि देश में मौजूदा विभाजनकारी रूझान का मजबूती से मुकाबला नहीं किया गया तो इससे देश को अपूरणीय क्षति होगी।

पार्टी में शामिल नहीं हो रहे सौरभ गांगुली: भाजपा

कोलकाता 22 जनवरी। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सिद्धार्थ नाथ सिंह ने आज इन अटकलों को खारिज किया कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रहे सौरभ गांगुली पार्टी में शामिल होने वाले हैं। सिंह ने कहा कि इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है।

सिंह ने बताया, "एक उद्योगपति के इस ट्वीट में कोई सच्चाई नहीं है कि सौरभ गांगुली पार्टी में शामिल होने वाले हैं।

श्रीनिवासन का खत्म हुआ खेल

नई दिल्ली। क्रिकेट को कारोबार बना देने वाले एन श्रीनिवासन के चंगुल से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) को मुक्त कराते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनके अध्यक्ष पद का चुनाव लडने पर रोक लगाने का फैसला सुनाया। शीर्ष कोर्ट ने आइपीएल स्पॉट फिक्सिंग मामले में श्रीनिवासन को संलिप्त तो नहीं माना, लेकिन चेन्नई सुपरकिंग्स का मालिक होने के साथ बीसीसीआइ अध्यक्ष पद पर बने रहने को शहितों के टकरावश का मामला माना। हालांकि श्रीनिवासन किसी भी तरह की कानूनी सजा से तो बच निकले, लेकिन अब भारतीय क्रिकेट के साथ–साथ विश्व क्रिकेट पर राज करने की उनकी महत्वाकांक्षा पूरी नहीं होगी। कोर्ट ने कहा है कि श्रीनिवासन बीसीसीआइ अध्यक्ष और चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के मालिक एक साथ नहीं रह सकते हैं। उन्हें बीसीसीआइ या सीएसके में से किसी एक को चुनना होगा। हालांकि, इससे पहले कोर्ट ने कहा कि श्रीनिवासन पर मामले को दबाने के आरोप साबित नहीं हुए हैं। मयप्पन को बचाने केआरोपों पर श्रीनिवासन को एक तरह से क्लीनचिट मिल गई है। कोर्ट ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा श्रीनिवासन पर मामले को दबाने का शक है।

कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि श्रीनिवासन का टीम मालिक होना सारे विवादों की जड़ है। किसी भी बीसीसीआइ अधिकारी का व्यावसायिक हित नहीं होना चाहिए। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआइ के नियमों में बदलाव को खारिज कर दिया। इसी संशोधन से श्रीनिवासन को आइपीएल टीम खरीदने की इजाजत दी गई थी। कोर्ट ने बीसीसीआइ के नियमों में संशोधन को शविलेनश बताया।

किरण बेदी को लाना मास्टरस्ट्रोक : शांति भूषण

नई दिल्ली 22 जनवरी। आम आदमी पार्टी के संस्थापक–सदस्य शांति भूषण ने किरण बेदी की तारीफ कर खलबली मचा दी है। उन्होंने बेदी को चुनावी मैदान में उतारने के भाजपा के कदम को 'मास्टरस्ट्रोक' बताया और कहा कि आप में 'सब कुछ ठीक नहीं है।' हालांकि, आप ने दावा किया कि भूषण की टिप्पणी दिखाती है कि पार्टी में 'आंतरिक लोकतंत्र' है और कहा कि उनके द्वारा जताया गया दृष्टिकोण 'व्यक्तिगत' है।

उच्चतम न्यायालय में वरिष्ठ वकील भूषण ने यह दावा भी किया कि अगर बेदी मुख्यमंत्री बन जाती हैं तो अन्ना हजारे बेहद खुश होंगे। उन्होंने हजारे की अगुवाई वाले भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन में बेदी की भूमिका को 'प्रभावशाली' बताया। भूषण ने कहा, "भाजपा से किरण बेदी का जुड़ना भाजपा का एक मास्टरस्ट्रोक है। मुझे लगता है कि पार्टी में उनको लाना तथा मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाया जाना एक मास्टरस्ट्रोक है क्योंकि अन्ना आंदोलन में बेदी, अरविंद केजरीवाल और प्रशांत भूषण के साथ थीं और भ्रष्टाचार खत्म करने के आंदोलन में उनका योगदान प्रभावशाली था।"

भूषण की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर किरण बेदी ने भूषण का शुक्रिया अदा किया और आगे कुछ कहने से मना कर दिया। भूषण ने आप के भीतर 'पुनर्संरचना' का भी आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है और यह अपने आरंभिक सिद्धांतों का पालन नहीं कर रही है।

मोदी, ओबामा रेडियो पर करेंगे राष्ट्र को संबोधित

नई दिल्ली 22 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा संयुक्त रूप से रेडियो पर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। रेडियो के जरिए प्रति माह प्रसारित होने वाली प्रधानमंत्री की 'मन की बात' इस बार खास होगी क्योंकि इस बार कार्यक्रम में उनके साथ अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा भी होंगे। प्रधानमंत्री ने आज खुद कई ट्वीट करके बताया कि इस कार्यक्रम का प्रसारण 27 जनवरी को किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने जनता से सवाल पूछने के लिए भी कहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, "इस महीने 'मन की बात' की कड़ी कुछ खास होगी, जहां हमारे गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि बराक ओबामा और मैं एक साथ मिलकर अपने विचार साझा करेंगे।" उन्होंने कहा, "मैं राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम का इंतजार कर रहा हूं। इसका प्रसारण 27 जनवरी को होगा।"

2001–11 के दौरान मुस्लिम आबादी 24 : बढ़ी

नई दिल्ली 22 जनवरी। देश में मुसलमानों की आबादी राष्ट्रीय औसत 18 प्रतिशत के विपरीत 2001–11 के दौरान 24 प्रतिशत बढ़ी है और इसके साथ कुल आबादी में समुदाय का प्रतिनिधित्व 13.4 प्रतिशत से बढ़कर 14.2 प्रतिशत हो गया है। धार्मिक समूहों की आबादी पर जनगणना के आंकड़ों के अनुसार देश के सभी राज्यों में जम्मू कश्मीर में सर्वाधिक मुस्लिम आबदी (68.3) प्रतिशत है। इसके बाद असम में 34.2 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में 27 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है।

वर्ष 1991 से 2001 के बीच मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर करीब 29 प्रतिशत थी। पांच प्रतिशत की आई गिरावट के बावजूद मुस्लिम आबादी में 24 प्रतिशत वृद्धि दर दशक (2001–11) के लिए 18 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से अधिक है। कुल आबादी में मुसलमानों की आबादी सर्वाधिक तेज गति से असम में बढ़ी है। राज्य में 2001 में मुसलमानों की आबादी कुल आबादी का 30.9 प्रतिशत थी और बाद के दशक में यह बढ़कर 34.2 प्रतिशत हो गई है। असम पिछले तीन दशकों से बांग्लादेश से अवैध आव्रजन की समस्या का सामना कर रहा है।

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि डाटा अभी जनगणना महापंजीयक द्वारा संकलित किया जा रहा है और यह जल्द ही आधिकारिक तौर पर जारी किया जाएगा। मणिपुर एकमात्र ऐसा राज्य है जहां मुसलमानों की आबादी कम होकर 8.8 प्रतिशत से 8.4 प्रतिशत हो गई है। पश्चिम बंगाल एक और ऐसा राज्य है जहां बांग्लादेश से अवैध आव्रजन एक मुद्दा रहा है। इस राज्य में मुसलमानों की आबादी 2001 के आंकड़े 25.2 प्रतिशत से बढ़कर 2011 में 27 प्रतिशत हो गये। यह 1.8 प्रतिशत की वृद्धि है। यह दर मुस्लिम आबादी के लिए राष्ट्रीय औसत से काफी ज्यादा है।

नरेन्द्र मोदी के आने के बाद भ्रष्टाचार शब्द गायब: जेटली

दावोस 22 जनवरी। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने आज कहा कि सरकार भ्रष्टाचार से निपटने के लिए कदम उठा रही है और नयी सरकार के सत्ता में आने के बाद से 'भ्रष्टाचार' शब्द का दबी जुबान से भी जिक्र नहीं हुआ है। जेटली ने कहा कि भ्रष्टाचार से न केवल व्यापार करने की लागत बढ़ती है, बल्कि इससे देश का भरोसा कम होता है। उन्होंने यह माना कि भारत को भ्रष्टाचार की वजह से नुकसान हुआ है और कहा कि कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार इन मुद्दों से नए कानूनों के जरिये निपट रही है।

यहां विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की सालाना बैठक के दौरान अलग से सीआईआई–बीसीजी द्वारा नाश्ते के समय "भारत जिसका निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करना चाहते हैं" विषय पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री ने ये विचार व्यक्त किए। जेटली से एक विदेशी निवेशक ने यूरोपीय कंपनी के सीईओ के एक सवाल के जवाब में ये बातें कहीं। निवेशक ने कहा कि एक यूरोपीय कंपनी के एक सीईओ ने उससे कहा था कि उसकी कंपनी ने भ्रष्टाचार की वजह से भारत में निवेश का इरादा टाल दिया। वित्त मंत्री ने कहा, "मैं उस व्यक्ति को दोष नहीं देता। भ्रष्टाचार की वजह से हमें नुकसान हुआ है। इससे ने केवल कारोबार की लागत बढ़ती है, बल्कि देश की विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है।"

वित्त मंत्री जेटली ने कहा कि भारत में सिर्फ भ्रष्टाचार के आधार पर कोई परियोजना सफल नहीं हो सकती क्योंकि हमारी न्यायिक व्यवस्था काफी मजबूत है। हाल के समय में प्राकृतिक संसाधनों के आवंटन में भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं, लेकिन नए कानूनों के जरिये इसका निपटान कर दिया गया है। जेटली ने कहा कि इसके अलावा कारोबार की अनुमति देने में भी भ्रष्टाचार होता था। इन प्रावधानों को भी तर्कसंगत बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले आठ माह में भारत में केवल एक शब्द है जो दबी जुबान से भी नहीं बोला गया है वह शब्द है भ्रष्टाचार।" मोदी की अगुवाई में राजग सरकार पिछले साल मई में सत्ता में आई थी। हाल के बरसों में कोयला ब्लाक व दूरसंचार स्पेक्ट्रम आवंटन में भ्रष्टाचार के मामले सामने आए थे।

मध्यस्थता कानून में संशोधन पर अध्यादेश नहीं

नई दिल्ली 22 जनवरी। सरकार ने मध्यस्थता (आबिर्ट्रेशन) कानून में संशोधन के लिए अध्यादेश लाने का विचार त्याग दिया है। सरकार के इस कदम को एक तरह से सरकार द्वारा अध्यादेशों पर अधिक निर्भरता को टालने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी बड़ी संख्या में अध्यादेश जारी करने को लेकर गंभीर आपत्ति जता चुके हैं। इस अध्यादेश के तहत वाणिज्यिक विवाद मामलों में सुनवाई की अध्यक्षता कर रहे मध्यस्थों के लिए मामलों का नौ महीने में निपटान करना अनिवार्य किये जाने का प्रावधान करने का प्रस्ताव है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसे मंजूरी दे दी लेकिन इसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा गया। सूत्रों ने कहा कि सरकार ने अब अध्यादेश लाने का फैसला छोड़ दिया है। इसके बजाय वह मध्यस्थता व सुलह कानून, 1996 में संशोधन के लिए विधेयक संसद के बजट सत्र में लाएगी जो कि 23 फरवरी को शुरू होगा। तकनीकी रूप से मंत्रिमंडल को विधेयक पर विचार से पहले संबंधित अध्यादेश को औपचारिक रूप से वापस लेना होता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस अध्यादेश को 29 दिसंबर को मंजूरी दी थी। ऐसा माना जाता है कि वित्त मंत्री अरुण जेटली भी इस मुद्दे पर अध्यादेश लाने के पक्ष में नहीं थे।

आरएसएस के दबाव में मुझे फंसा रही सीबीआई: मारन

चेन्नई 22 जनवरी। अवैध टेलीफोन एक्सचेंज मामले में सीबीआई द्वारा अपने करीबी सहयोगी और दो अन्य व्यक्तियों की गिरफ्तारी के एक दिन बाद पूर्व केंद्रीय दूरसंचार मंत्री दयानिधि मारन ने आज जांच एजेंसी पर आरएसएस से जुड़े, तमिलनाडु के एक नेता को खुश करने के लिए उन्हें "निशाना बनाए जाने" की कोशिश करने का आरोप लगाया। मारन ने पूरे घटनाक्रम से द्रमुक प्रमुख एम करूणानिधि को अवगत कराने के बाद यहां संवाददाताओं से कहा "सीबीआई को, किसी को फंसाने वाली नहीं बल्कि तथ्य–परक एक प्रणाली होना चाहिए। मुझे निशाना बनाया जा रहा है। तमिलनाडु के एक आरएसएस विचारक को खुश करने के लिए सीबीआई मुझे फंसा रही है।"

बहरहाल, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच एजेंसी गिरफ्तार किए गए तीन व्यक्तियों को उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए बाध्य कर रही है और "झूठा बयान" देने के लिए उन्हें प्रताड़ित भी किया जा रहा है। पूर्व दूरसंचार मंत्री के चेन्नई स्थित आवास के लिए 300 से अधिक हाई स्पीड टेलीफोन लाइनों के कथित आवंटन के सिलसिले में सीबीआई ने बुधवार को दयानिधि मारन के तत्कालीन अतिरिक्त निजी सचिव वी गौतमन तथा दो अन्य को गिरफ्तार किया था। ये लाइनें मारन के भाई के टीवी चौनल तक विस्तारित की गई थीं। सीबीआई ने अक्तूबर 2013 में दर्ज प्राथमिकी में मारन, बीएसएनएल के तत्कालीन मुख्य महाप्रबंधक के ब्रह्मनाथन सहित अधिकारियों तथा सांसद वेलुस्वामी के नाम लिए हैं।

मारन ने आरोप लगाया "... आठ साल के बाद, अब वे इस मामले को सिर्फ फिक्स कर रहे हैं। उन्होंने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। विडंबना यह है कि उनके साथ बुरा बर्ताव हुआ और झूठा बयान देने के लिए बाध्य किया गया। इंकार करने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें मेरे खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए मजबूर किया गया। उनके साथ 'थर्ड डिग्री ट्रीटमेंट' किया गया।" इस मामले में मुकदमा लड़ने का इरादा जाहिर करते हुए मारन सीबीआई पर बरसे। उन्होंने कहा "क्या सीबीआई तमिलनाडु के एक आरएसएस विचारक को खुश करने के लिए प्रयासरत हैं? मेरे आवास पर अब भी टेलीफोन लाइन काम कर रही है। अगर सीबीआई किसी अन्य के किए धरे के लिए किसी और को जिम्मेदार ठहराना चाहती है तो मेरे पास इसका मुकाबला करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है।"

बालश्रम कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

आजमगढ़, 22 जनवरी। बालश्रम विद्यालय कल्याण समिति की बैठक बुधवार को कुंवर सिंह उद्यान में हुई। बैठक में कानपुर मुख्यालय द्वारा बालश्रम विद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों व शिक्षकों की सीडी उपलब्ध कराने संबंधी पत्र निर्गत होने के बावजूद भी जनपद के प्रभारी अधिकारी द्वारा कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। इसे लेकर कर्मचारियों ने विकास भवन कार्यालय पर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कहा कि विद्यालय बंद होने से संबंधित सूचना मुख्यालय कानपुर द्वारा जनसूचना के माध्यम से संगठन के अध्यक्ष रामप्यारे यादव द्वारा मांगी गई थी मुख्यालय द्वारा जन सूचना का उत्तर 10 दिसंबर को ही दिया गया। इसमें विद्यालय बंद करने से संबंधित किसी भी आदेश की कापी नहीं दी गई है। इससे प्रतीत होता है कि विद्यालय बंद करने संबंधी कोई भी पत्र प्रभारी अधिकारी जिला विकास अधिकारी के पास नहीं है फिर भी विद्यालय बंद करने के लिए बार–बार आदेश जारी कर रहे हैं। बैठक में मंडल अध्यक्ष रामलाल यादव व जिलाध्यक्ष रामजनम प्रसाद रावत ने कहा कि बालश्रम विद्यालय कर्मचारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इनके साथ आर–पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। प्रदर्शन में रामलाल यादव, रामजनम प्रसाद रावत, संजय यादव, अतुल कुमार, पंकज राय, सुषमा चौरसिया, अनिता चौधरी, अवधेश, रमाकांत, संजय मौर्य, रमेश कुमार, अरविंद, उमेश, लक्ष्मण कन्नौजिया व समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे।

शराब के साथ चार पकड़े गए

आजमगढ़, 22 जनवरी। अलग–अलग थानों की पुलिस ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान मंगलवार को शराब के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अहरौला थाने की पुलिस ने भकुहीं गाव निवासी सुरेश यादव को गिरफ्तार करते हुए उसके पास से 92 शीशी शराब बरामद किया है। फूलपुर कोतवाली पुलिस ने जगद. ीशपुर गाव निवासी गंगादीन सोनकर को 20 शीशी व मुबारकपुर थाने की पुलिस ने कटरा मोहल्ले से पूरा रानी मोहल्ला निवासी सुदर्शन प्रसाद सहित दो लोगों को 10–10 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

झुलसी महिला की मौत

आजमगढ़, 22 जनवरी। एक सप्ताह पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में झुलसी महिला ने उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मंगलवार की शाम दम तोड़ दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताते हैं कि जहानागंज थाना क्षेत्र के भटगावा गाव निवासी सुमन (38) पत्नी मनोज सिंह एक सप्ताह पूर्व घर में संदिग्ध परिस्थितियों में झुलस गई थी। परिजन उसे जिला अस्पताल ले गये जहा उपचार के दौरान मंगलवार की शाम उसने दम तोड़ दिया। मृतका एक बच्चे की मा थी और उसका मायका गाजीपुर जनपद में था।

बिना अवकाश अनुपस्थित मिलीं प्राचार्य

आजमगढ़, 22 जनवरी। गन्ना शोध संस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व सासद रामकृष्ण यादव ने बुधवार को फूलपुर के अंबारी स्थित गया प्रसाद स्मारक राजकीय महिला महाविद्यालय पहुंचे। वहां प्राचार्य पिछले 10 जनवरी से लगातार बिना अवक. ाश के अनुपस्थित मिलीं, वहीं जुलाई माह से महाविद्यालय की पांच विषयों की पीजी संबद्धता के बावजूद कक्षाएं न संचालित कराने पर फटकार भी लगाई। क्षेत्र की छात्राओं को उच्च शिक्षा दिलाने के उददेश्य से अंबारी में गया प्रसाद स्मारक राजकीय महिला महाविद्यालय की स्थापना हुई है। इस महाविद्यालय को जुलाई माह से ही पांच विषयों में पीजी की कक्षाएं संचालित करने के लिए संबद्धता मिल गई है लेकिन कालेज द्वारा अभी तक विश्वविद्यालय से कोई पत्राचार नहीं किया गया। गन्ना शोध संस्थान के उपाध्यक्ष के आने की सूचना पर आनन–फानन में पत्र तैयार किया गया। इस संबंध में जब उन्होंने हेड क्लर्क से बात की तो उन्होंने बताया कि आज पत्र भेजा जा रहा है। उन्होंने महाविद्यालय के लोगों को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई कर इसी सत्र से पीजी की कक्षाएं संचालित करने का निर्देश दिया।

विधि–विधान पूर्वक मानस यज्ञ संपन्न

आजमगढ़, 22 जनवरी। प्राथमिक विद्यालय गंगटिया पर आयोजित दस दिवसीय श्रीराम चरित मानस महायज्ञ का समापन बुधवार को विधि–विधान पूर्वक हुआ। कड़ाके की ठंड के बाद भी सुबह से ही यज्ञ स्थल पर यज्ञ मंडप की परिक्रमा और पूजन–अर्चन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। दस दिनों तक चले महायज्ञ में जहां श्रद्धालुओं ने भगवान के रूप का दर्शन किया, वहीं भगवत कथा का श्रवणपान भी किया। यज्ञाचार्य पंडित कमलेश्वर पाठक के नेतृत्व में दर्जन भर विद्वत ब्राह्मणों द्वारा मानस पाठ किया जा रहा था, वहीं कुशीनगर से पधारे कथा वाचक पंडित विरेंद्र तिवारी, झांसी से पधारीं किरन भारती, जौनपुर से पधारे बजरंग दास एवं बिहार से पधारे शिवजी उपाध्याय ने ग्रामीणों को संगीतमयी भगवत कथा सुनाकर मन मोह लिया। क्षेत्रीय जनता के सहयोग से लगातार सातवीं बार सफल यज्ञ करवाने में कंपकपाती ठंड भी आड़े नहीं आई, वहीं लोगों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। पंडित कमलेश्वर पाठक ने कहा कि इस स्थान पर यज्ञ का कार्यक्रम जो पिछले वर्षो से शुरू हुआ, वह भगवान की कृपा और जनसहयोग से निरंतर चलता जा रहा है। कहा कि जब से यज्ञ का आयोजन हो रहा है तब से गांव और क्षेत्र में ईश्वर की अलग छाया व्याप्त रहती है।

यूरिया किल्लत व धान खरीद की गूंज

अंबेडकरनगर, 22 जनवरी। किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी विवेक की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में यूरिया की किल्लत व धान खरीद न होने का मुद्दा गूंजता रहा। आयोजन में जो समस्याएं उठायी जाती है, उसका समाधान न होने पर किसानों ने असंतोष जताया।

बैठक में किसानों ने ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि में 12 बजे बिजली आपूर्ति करने पर विरोध जताया। कहा कि रात्रि में सिंचाई करने में कठिनाई होती है। इस पर डीएम ने अधिशासी ओभयंता को रोस्टर बदलने व दिन में भी आपूर्ति करने का निर्देश दिया। अमरजीत वर्मा व रामअशीष ने कहा कि पिछली बैठक में ही धान खरीद न होने समस्या उठायी गई थी, लेकिन क्रय केंद्रों पर खरीद नहीं हो रही है। इस पर अपर जिलाधिकारी राममूर्ति मिश्र ने बताया कि धान खरीद की समस्या के समाधान के लिए गुरुवार को क्रय एजेंसियों व खाद्य एवं विपणन विभाग की बैठक आहूत की है। कृषक अली हसन व राजनरायन वर्मा ने कहा कि समितियों पर यूरिया न उपलब्ध होने से निजी दुक. ानों पर खाद की कालाबाजारी की जा रही है। यूरिया 425 रुपये प्रति बोरी के दर से बेचकर किसानों को ठगा जा रहा है। वर्ष 2009 में सहक. ारी शीतगृह में किसानों की आलू सड़ गई थी, लेकिन उसका मुआवजा नहीं मिल सका, जबकि किसान कई बैठकों में शिकायत दर्ज करा चुके हैं। किसान सम्मान दिवस पर किसानों को उत्कृष्ट उत्पादन करने पर पुरस्कृत करने के मुद्दे पर उप कृषि निदेशक विनोद कुमार ने कहा कि इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए किसान 31 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने किसानों आवेदन फार्म वितरित किया। गत बैठक में अहिरौली माइनर के टूटने व टेल तक पानी न पहुंचने का मामला किसानों ने उठाया था, लेकिन उसका समाधान नहीं हो सका। कृषक रामउजागिर वर्मा ने कहा कि माइनर का पानी खेतों के बजाय दरवन झील में जा रहा है। डीएम ने अधिशासी अभियंता आलोक सिन्हा को माइनर की कटान दुरुस्त करने का निर्देश दिया। बैठक में किसाना. ें ने कृषि गोदामों पर एडीओ कृषि के न बैठने की शिकायत दर्ज करायी। बैठक में सीडीओ मन्नान अख्तर, कृषि रक्षा अधिकारी तेगबहादुर सिंह, डीएचओ इसहाक अंसारी, कृषक रामदयाल वर्मा, सतीशचंद्र, जयनरायन तिवारी, जगदीश प्रजापति, सुलेमान, रऊफ, शाह मोहम्मद आदि मौजूद थे।

पूर्व सैनिकों व वीर नारियों का सम्मान

आजमगढ़, 22 जनवरी। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में बुधवार को पूर्व सैनिक पुनर्मिलन का आयोजन किया गया। इस समारोह में जिलाधिकारी रणवीर प्रसाद ने पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों को शाल आदि प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। साथ ही युद्ध वीरनारियों एवं वयोवृद्ध वीर नारियों को दो–दो हजार रुपये का चेक प्रति युद्ध वीर नारी को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में लगभग 66 पूर्व सैनिक व वीर नारियां उपस्थित थीं। उपस्थित लोगों के लिए सारी व्यवस्था की गई थी। स्वास्थ्य जांच हेतु ईसीएचएस पेंशन या अन्य परेशानी से निबटने के लिए अलग–अलग पंडाल लगाए गए थे। समारोह का आयोजन क्रमबद्ध तरीके से अत्यंत हर्षोल्लास से किया गया। इससे सभी पूर्व सैनिकों में उत्साह देखा गया। समारोह में मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार मिश्र, उपनिदेशक राकेश सिंघल, निदेशालय राज्य सैनिक बोर्ड लखनऊ मेजर सत्य प्रकाश पांडेय, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी अंबेडकर नगर हवलदार यादव, विजेन्द्र सिंह, भूतपूर्व सैनिक कैप्टन नंदलाल यादव, रघुनाथ पांडेय, जनन राम यादव, जगधारी यादव एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सफाई पर भारी खर्च, सिल्ट से पटे नाले

गोरखपुर, 22 जनवरी। नाले–नालियों की सफाई के लिए नाला गैंग के श्रमिकों के पारिश्रमिक, सिल्ट निस्तारण में लगे ट्रैक्टर–ट्राली से लेकर पोकलेन मशीना. ें के डीजल पर भारी खर्च होने के बाद भी नाले–नाली सिल्ट से पटे हैं। मानस. ून पूर्व होने वाली सफाई की अभी तक कोई कार्य योजना नहीं बनायी जा सकी है। पिछले माह स्वयं खड़े होकर नगर आयुक्त द्वारा नार्मल स्कूल नाले की सफाई को छोड़ दिया जाए महानगर के सभी 230 नाले–नालियों की स्थिति एक जैसी है। कभी भी किसी नाले की सफाई शुरू से अंत तक स्लैब हटा कर नहीं की गई। 20 से 40 सफाईकर्मी लगते हैं, साथ में पोकलेन मशीन भी रहती है। इसके बावजूद थोड़ी–बहुत सिल्ट निक. ालकर कर्मचारी चलते बनते हैं।

एक–एक बड़े नाले की सफाई पर नगर निगम दस से पंद्रह हजार तक खर्च कर रहा है, लेकिन लूट–खसोट के कारण इसका लाभ नगरवासियों को नहीं मिल रहा है। नगर के हृदयस्थल में ही मामूली बारिश में लोगों को भारी जलजमाव झेलना पड़ रहा है। यहां जिला परिषद रोड पर एमपी इंटर कालेज गेट के सामने सड़क को क्रास रही पुलिया को तोड़कर ऊंचा करने की जरूरत है। पुलिया जाम होने से पानी का बहाव बिल्कुल नहीं हो रहा है और एमपी बिल्डिंग के सामने बनी दुकानों के सामने जलजमाव है। गोलघर का नाला भी जाम पड़ा है। इसकी ठीक ढंग से सफाई न होने का कारण इसके मेनहोल चेंबर को काफी छोटा होना है। उसमें श्रमिक अंदर जाकर सफाई कर ही नहीं सकता। प्रेमचंद पार्क रोड का नाला अभी हाल में साफ कराया गया, लेकिन वह भी आधा–अधूरा। कहीं सिल्ट निकला, कहीं स्लैब के नीचे पड़ा रहा। वर्तमान में यह ओवरफ्लो कर रहा है। इसी तरह धर्मशाला स्थित कंचनपुर पुलिया से आगे निकलने वाला नाला सिल्ट व पालीथिन से पटा है।

मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. अरुण कुमार ने कहा कि अतिक्रमण गंभीर समस्या है, लेकिन जहां तक संभव है सफाई कराई जा रही है। नए सिरे से नालों की सफाई की योजना शीघ्र तैयार कर ली जाएगी।

शिक्षकों के शिक्षक बने डीएम

गोरखपुर, 22 जनवरी। शिक्षकों के प्रशिक्षण संस्थान डायट का नजारा बुधवार को पूरी तरह बदला हुआ था। डायट अर्थात जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में कार्यक्रम तो नियमित होते रहते हैं लेकिन इस बार कुछ खास तैयारी थी। इसकी वजह भी थी। जिलाधिकारी रंजन कुमार की पहल पर यहां शैक्षिक गुणवत्ता संवर्धन पर कार्यशाला आयोजित की गई थी। जिलाधिकारी ने इसमें हिस्सेदारी की लेकिन एक विशेषज्ञ शिक्षक की तरह। जिलाधिकारी शिक्षकों के बीच आधे घंटे रहे और इस पूरे समय उन्हें इस बात के लिए ही प्रोत्साहित करते रहे कि वे साबित करें कि प्राथमिक शिक्षा किसी भी हाल में कांवेंट शिक्षा से कम नहीं है। शिक्षक यह तलाशें कि आखिर हम कमजोर क्यों पड़ जाते हैं और प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में कमी क्यों रह जाती है। प्राथमिक विद्यालयों में भी आने वाले हर बच्चे में कोई न कोई प्रतिभा छिपी रहती है, हम उसे पहचानें और उसे आगे बढ़ाएं।

जिलाधिकारी ने वहां मौजूद बेसिक शिक्षा अधिकारी कमलाकर पांडेय से कहा कि वह जिले में गणित, विज्ञान व अंग्रेजी के विशेषज्ञ शिक्षकों की एक टीम बनाएं। किसी भी शिक्षक को इन विषयों में कोई समस्या हो तो इनसे समाधान पूछ सकें। ये उनकी मदद कर सकें। डायट परिसर में बीटीसी 2013 के प्रशिक्षुओं ने टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री) प्रदर्शनी लगाई थी। जिलाधिकारी ने इसका अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी की तारीफ उन्होंने जरूर की लेकिन इस बात पर दुख जताया कि विद्यालयों में यह नहीं दिखता। इन सामग्रियों की मदद बच्चों को नहीं मिलती। जिलाधिकारी ने गोद लिए कुपोषित गांव जंगल धूसड़ में प्राथमिक विद्यालय में पिछले दिनों कक्षाएं ली थीं। वहां स्थिति ठीक नहीं मिली थी। उसी दिन उन्होंने कार्यशाला आयोजित कराने को कहा था। कार्यशाला में जिले के प्रत्येक ब्लाक से गणित, विज्ञान, अंग्रेजी के एक–एक शिक्षकों ने हिस्सा लिया। डायट प्राचार्य रेनू चतुर्वेदी, वरिष्ठ प्रवक्ता जयप्रकाश, प्रवक्ता मंजुलिका श्रीवास्तव, खंड शिक्षा अधिकारी आलोक सिंह आदि उपस्थित थे।

निधि और अकीला को भी मिलेगा स्वर्ण पदक

गोरखपुर, 22 जनवरी। विश्वविद्यालय के 33वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक दावेदारों की सूची में दो मेधावियों के नाम बदले जा चुके हैं जबकि अभी दो और नाम बदलने की संभावना है। छात्र–छात्राओं की आपत्तियों का परीक्षण करने के बाद अब एमए भूगोल में सर्वश्रेष्ठ अंक पाने के लिए निधि राय को और एमएससी रसायन शास्त्र में अकीला खातून को स्वर्ण पदक मिलेंगे। स्मृति पदकों सहित निधि और अकीला को तीन–तीन स्वर्ण पदक मिलेंगे। वहीं स्नातक हिंदी सहित एक अन्य परीक्षा के लिए घोषित स्वर्ण पदक दावेदार की सूची में बदलाव की संभावना है। अगले एक –दो दिनों में संशोधित स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ताओं की सूची जारी कर दी जाएगी। बता दें कि बीते दिनों मेधा सूची जारी करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्र–छात्राओं से आपत्तियां मांगी थीं,जिसके क्रम में एमए भूगोल और एमए रसायन शास्त्र सहित चार स्वर्ण पदक दावेदारों पर आपत्तियां आई थीं।5 और 6 को मिलेगा दीक्षांत परिधान परीक्षा नियंत्रक एके पाल ने बताया है कि दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले तथा शोध उपाधि पाने वाले छात्र–छात्राओं को समारोह में पहनने के लिए दीक्षांत परिधान का वितरण 5 व 6 फरवरी को होगा। इसके लिए संबंधित को लेखा विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र प्राप्त कर 300 रुपये की रसीद लेनी होगी। समारोह के बाद 100 रुपया परिधान शुल्क काटकर शेष 200 रुपया छात्र–छात्रा को वापस कर दिया जाएगा।

धूप भी नहीं दिला सकी गलन से राहत

अंबेडकरनगर, 22 जनवरी। बर्फीली हवाओं के साथ मौसम का कहर जारी है। बुधवार को घने कोहरे बाद धूप भी लोगों को ठंड से राहत नही दिला सकी। गलन का प्रकोप हावी रहा। शाम होते ही वापस आसमान पर काले बादलों का डेरा हो गया तो धुंध भी पैर पसारने लगी।

गत डेढ़ माह से कड़ाके की सर्दी का कहर झेल रहे जनजीवन को बुधवार को भी खास राहत नहीं मिल सकी। सुबह लोगों की नींद खुली तो घनघोर कोहरा देख लोग घंटो बिस्तर में दुबके रहे। दोपहर करीब बारह बजे खिली धूप भी लोगों को ठंड से राहत नही दिला सकी। खुले में आसमान नीचे एवं मकानों की छतों पर बैठकर लोग ठंड से बचाव के प्रयास में लगे रहे। जिला चिकित्सालय में ठंड से परेशान तीमारदार व मरीज खुले में पहुंच गए। हालांकि बर्फीली हवाओं ने उन्हें ज्यादा देर ठहरने नहीं दिया। गत मंगलवार की देरशाम से ही कोहरे के धुंध की चादर फैलने लगी थी। वाहन चालकों को वाहनों की हेडलाइट जलाकर धीमी रफ्तार में चलने के लिए विवश होना पड़ा। शाम ढलते ही बर्फीली हवाओं के बीच गलन व धुंध ने दोबारा पैर पसार लिया। इससे बचने के लिए लोग अलाव की शरण में पहुंच गए। वहीं दिनभर धधकते अलाव के आसपास जनजीवन सिमटा नजर आया। उधर जिलाधिकारी के आदेश के बाद भी निजी विद्यालय संचालक मनमानी करते हुए विद्यालयों को खोले हुए हैं। जिम्मेदार अधिकारी इन पर शिकंजा कसने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

मौसम के कहर की मार सर्वाधिक ट्रेनों के संचालन पर पड़ रही है। बीते एक माह से ट्रेनों के विलंबित होने का दौर जारी है। घने कोहरे के कारण अप व डाउन फैजाबाद से मुगलसराय पैसेंजर ट्रेन का संचालन अभी शुरू नहीं हो सका है। इसके चलते छोटे स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को अकबरपुर जंक्शन से होकर गुजरने वाली ट्रेनों में कैफियात, सरयू यमुना, फरक्का, साकेत, किसान, दून, साबरमती, सियालदह व उत्सर्ग एक्सप्रेस समेत पैसेंजर ट्रेनें एक से छह घंटे तक विलंबित रहीं। मौसम में नहीं सुधार की उम्मीद रू बुधवार को जिले का तापमान अधिकतम 13 तथा न्यूनतम सात डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग के पर्यवेक्षक शंखमाधव त्रिपाठी के मुताबिक गुरुवार को भी मौसम में सुधार की उम्मीद कम है। बदली के साथ गलन बरकरार रहेगी। दोपहर तक धूप निकल सकती है। धुंध के बने रहने के आसार हैं।

डायट प्राचार्य समेत तीन अधिकारियों पर लटकी कार्रवाई की तलवार

अंबेडकरनगर, 22 जनवरी। टीईटी मेरिट पर शिक्षकों की भर्ती के मामले में लापरवाही करने वाले डायट प्राचार्य, बीएसए व आलापुर एसडीएम की जवाबदेही तय होगी। यह सभी मेरिट सूची की समिति में थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला अधिकारी विवेक ने तीनों अधिकारियों से चौबीस घंटे के भीतर लिखित स्पष्टीकरण मांगा है। जवाब मिलने के बाद कार्रवाई की दिशा तय होगी। इस बीच मानक के विपरीत मेरिट के आधार पर चयनित 41 के सापेक्ष 25 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी हुआ था। इसमें से 20 लोगों ने बुधवार को नियुक्ति पत्र वापस कर अपना शैक्षिक मूल प्रमाण पत्र वापस लिया।

गत सोमवार को जिले में आवंटित 370 पदों के सापेक्ष 258 टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को शिक्षक पद का नियुक्ति पत्र जारी किया गया था। विभाग द्वारा तय मेरिट के ऊपर के गुणांक वाले अभ्यर्थियों का नाम सूची में नहीं था। ऐसे लोगों ने प्रत्यावेदन किया। यहीं से अधिकारियों की टीम को गड़बड़ी के संकेत मिले थे। बीएसए ने डायट प्राचार्य को मामले से अवगत कराते हुए अधिकारियों का एक सेल निस्तारण के लिए गठित किया तो 41 ऐसे अभ्यर्थियों का नाम सामने आया, जिन्हें गलत तरीके से नियुक्ति पत्र जारी कर दिया गया था। गत मंगलवार को आनन–फानन में बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को ज्वॉइनिंग न कराने व उक्त 41 लोगों को नियुक्ति पत्र वापस करने का निर्देश जारी किया। इस क्रम में बुधवार को निशा मौर्य, अमृता, चंपा देवी, दिव्या, ओमप्रकाश वर्मा, उमेश वर्मा, ओमप्रकाश, सुभद्रा यादव, रुखसाना बेगम, गीता वर्मा, दिलीप कुमार, आकांक्षा, कंचन, विजय लक्ष्मी, अर्पणा चौरसिया, बबिता, माया गौड़, बबिता मिश्र, अमित पटेल, अंजू, विजय शंकर आदि 20 ने बीएसए कार्यालय पहुंचकर नियुक्ति पत्र देकर शैक्षिक प्रमाण पत्र वापस ले लिया। जबकि धर्मेंद्र कुमार, चंद्रशेखर, आकांक्षा उपाध्याय, बबिता व नीता वर्मा द्वारा नियुक्ति पत्र वापस नहीं किया जा सका।

हक की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

अंबेडकरनगर, 22 जनवरी। विभिन्न समस्याओं को लेकर जनसंगठनों व ग्रामीणों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पर अपने हक की आवाज बुलंद किया। इस दौरान धरना–प्रदर्शन व बैठकों का दौर जारी रहा।

मनरेगा मजदूर कल्याण समिति के बैनर तले मनरेगा मजदूरों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर धरना दिया। मजदूर पुरानी तहसील के समीप स्थित मैदान से जुलूस निकालकर नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट स्थित अंबेडकर प्रतिमा के समीप पहुंचे। जोरदार प्रदर्शन कर दस सूत्री मांगों के निराकरण की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया। सभा को संबोधित करते हुए समिति के प्रदेश अध्यक्ष रामअदालत वर्मा ने कहा कि जिले में मनरेगा योजना की धज्जियां उड़ाई जा रहे हैं। मजदूरों को रोजगार नहीं मिल रहा है तथा रोजगार न मिलने पर उन्हें बेरोजगारी भत्ता भी नहीं दिया जा रहा है। जो मजदूर कार्य कर चुके हैं वे मजदूरी के लिए ग्राम प्रधान व बीडीओ का चक्कर काटने को मजबूर हैं। कटेहरी विकास खंड के तिवारीपुर में मजदूरों ने कार्य किया था, लेकिन उन्हें 156 रुपये दिहाड़ी के बजाय सौ रुपये के हिसाब से भुगतान किया गया। जिलाध्यक्ष रफीक अहमद ने कहा कि भीटी विकास खंड के रूदऊपुर, समंधा, जैतूपुर, अढ़नपुर, पीठापुर आदि गांवों में मजदूरों को आवास न देकर अपात्रों को आवास आवंटित किए गए हैं। सभा को ज्ञानमती सिंह, आनंद श्रीवास्तव, सच्चिदानंद तिवारी, राधेश्याम, हरिशंकर पाठक, राज. ेंद्र कुमार ने संबोधित किया। अंत में एसडीएम सदर एसपी सिंह को मांग पत्र सौंपा गया।

सड़क हादसों में खलासी की मौत, तीन घायल

अंबेडकरनगर, 22 जनवरी। जिले में हुए सड़क हादसों में डीसीएम ट्रक के खलासी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि अधेड़ समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का उपचार जिला चिकित्सालय एवं निजी अस्पताल में चल रहा है।

बुधवार को शाम करीब चार बजे फैजाबाद से जानवरों की हड्डी लादकर डीसीएम ट्रक आजमगढ़ की ओर जा रहा था। ट्रक बसखारी थाना क्षेत्र के लहटोरवा पुलिस चौकी के समीप पहुंचा था कि अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में झारखंड राज्य निवासी खलासी अनवर शेख पुत्र जयकाल शेख की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़ भाग निकला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज, ट्रक को सड़क से हटवाकर वाहनों का आवागमन शुरू करवाया। गत मंगलवार की शाम कोतवाली अकबरपुर क्षेत्र के बरवा नासिरपुर निवासी अनिल कुमार (42) पुत्र रामविलास बाइक से घर जा रहे थे। वह गांव के समीप पहुंचे थे कि अचानक पीछे से आ रहे चारपहिया वाहन की टक्कर से घायल हो गए। एंबुलेंस कर्मियों ने उन्हें जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। गत शाम पड़ोसी जिले सुल्तानपुर के दोस्तपुर थाना क्षेत्र के कामताग. ंज निवासी रामपूजन (25) एवं शिवकुमार (32) बाइक से अकबरपुर से घर जा रहे थे। वह रामपुर सकरवारी बाजार के समीप पहुंचे थे कि सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका उपचार चल रहा है।

फरिहा को नगर पंचायत बनाने का विरोध

आजमगढ़, 22 जनवरी। कहीं नगर पंचायत बनने पर विकास की उम्मीद जताई जा रही है तो कहीं नगर पंचायत बनाने का विरोध शुरु हो रहा है। स्थानीय ग्रामसभा को नगर पंचायत का दर्जा देने की कवायद शुरु होने की जानकारी के साथ ग्रामीणों ने विरोध कर दिया। विकास खंड रानी की सराय का यह सबसे बड़ा गांव है। क्षेत्र के बघौरा इनामपुर, सुराई, असीलपुर गांवों को मिलाकर नगर पंचायत बनाने की कवायद शुरु हो गई है।

नगर पंचायत बनाने की कवायद शुरू होने की जानकारी के बाद नाराज ग्रामीणों ने ग्रामप्रधान जावेद आलम फराही, एहसान खान, पूर्व प्रधान चंद्रभान के नेतृत्व में फरिहां चौराहे पर जनसभा कर प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के अंदर फरिहां ग्राम को नगर पंचायत बनाने की कवायद बंद कर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो एक सप्ताह बाद लखनऊ–बलिया राजमार्ग को फरिहां बाजार में जाम कर प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रधान जावेद आलम फराही ने कहा कि नगर पंचायत बनने के बाद ग्रामीणों के ऊपर अनावश्यक रूप से गृहकर व जलकर का बोझ लादा जाएगा। उसमें भी मनमानी होनी तय है। ऐसे में हम ग्रामीण जनता को परेशान नहीं होने देना चाहते। जनसभा के बाद फरिहां पुलिस चौकी इंचार्ज अंगद तिवारी को डीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर मो. असलम, छेना देवी, लियाकत, कमलेश यादव, मो. सालिम, फैजान, परवेज, त्रिलोकी मौर्या, अतीक, वहा. जुद्दीन बवाली आदि उपस्थित थे।

मुनीम को असलहा सटा तीन पेटी शराब व नकदी लूटी

गोरखपुर, 22 जनवरी। गुलरिहा थाना क्षेत्र के शिवपुर सहबाजगंज स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान के मुनीम को मंगलवार की रात असलहा सटाकर बदमाश तीन पेटी शराब और 17500 रुपये लूट ले गए। रात में ही उसने सौ नंबर पर सूचना दे दी थी और बुधवार को थाने पहुंचकर इस संबंध में तहरीर भी दे दी, लेकिन पुलिस ने समाचार लिखे जाने तक मुकदमा नहीं दर्ज किया था।

पादरी बाजार संवाददाता के अनुसार हजारीपुर, कोतवाली निवासी विकास कुमार जायसवाल की दुकान है। उन्होंने द्वारिका जायसवाल को अपनी दुकान पर मुनीम रखा है। रात में दस बजे के आसपास एक बाइक पर सवार तीन युवक उनकी दुकान पर पहुंचे। मुनीम के मुताबिक दुकान का जालीदार गेट खोलकर वे अंदर आ गए। उनमें से एक ने उसको तमंचा लगा दिया और उसके दो अन्य साथी कैश काउंटर में रखी नकदी तथा दुकान से तीन पेटी शराब ले लिया। घटना को अंजाम देने के बाद जान से मारने की धमकी देते हुए बदमाश वहां से फरार हो गए। मुनीम ने इसकी जानकारी पहले दुकान के मालिक को दी। बाद में सौ नंबर पर भी उसने फोन किया। मौके पर गुलरिहा पुलिस को उसने बताया कि बदमाशों में से दो ने अपना मुंह बांध रखा था। छानबीन के बाद पुलिस वालों ने मुनीम और दुकान के मालिक को तहरीर लेकर बुधवार को थाने आने के लिए कहकर चले गए।

किसान दिवस में नहीं आये किसान

इटावा, 22 जनवरी। बुधवार को विकास भवन में आयोजित किसान दिवस में किसान न के बराबर दिखाई दिये। विकास भवन के आडोटोरियम हाल की कुर्सियां खाली पड़ी रहीं। सर्दी के कारण किसान नहीं आये। हालांकि अधिकारी उनका इंतजार करते रहे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डा. अशोक चंद्र ने कहा कि किसान दिवस आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य किसान बंधुओं की समस्याओं का निस्तारण करना और शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से किसानों को अवगत कराना और लभान्वित करना है। उप निदेशक कृषि एसके सिंह ने बताया कि कृषि विभाग लघु एवं सीमान्त किसानों को सोलर सिंचाई पम्प पर 75 प्रतिशत 2 व 3 एचपी पंप पर और 5 एचपी पंप पर 50 प्रतिशत तक का अनुदान देने की योजना है। जिला उद्यान अधिकारी डा. धर्मपाल यादव द्वारा किसानों को आलू की खेती पर मौसम के प्रभाव एवं उसके रोकथाम की और जिला कृषि अधिकारी विनोद यादव द्वारा गेहूं की फसल पर मौसम के प्रभाव एवं उसके रोकथाम की जानकारी दी गई। सहायक निदेशक मत्स्य वीएस चौरसिया ने किसानों को मत्स्य पालन की जानकारी दी। बैठक में पशु चिकित्सधिकारी, जिला भूमि संरक्षण अधिकारी सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सूतमिल का कबाड़ जायेगा मोदीनगर

इटावा, 22 जनवरी। आखिर सूतमिल का नामोंनिशा मिट ही गया, सरकार ने भूमि तो आवास–विकास परिषद को बेंच दी। अंतिम दौर में सूतमिल का कबाड़ टेंडर प्रक्रिया के माध्यम सबसे अधिक कीमत का टेंडर मोदीनगर की कंपनी का होने से उसके हवाले कर दिया गया। इस प्रक्रिया में कई जिलों की सात कंपनियों ने भाग लिया था, सबसे ज्यादा कीमत दो करोड़ 21 लाख 51 हजार रुपये उक्त कंपनी ने आंकी थी। प्रक्रिया के दौरान कबाड़ खरीदने वालों की खासी भीड़ जमा थी। इससे सुरक्षा–व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। सूतमिल के कबाड़ के रूप में उसकी जंग लगी मशीनों, ईंटों तथा लोहे की सरिया व गाटर व अन्य सामान की कीमत का आकलन जिला प्रशासन ने इंजीनियर कालेज के निर्माण विशेषज्ञ टीम से कराया था। टीम ने एक करोड़ 21 लाख रुपये कीमत आंकी थी। जिलाधिकारी डा. नितिन बंसल ने इसकी टेंडर प्रक्रिया कराई। एक पखवारे पूर्व टेंडर प्रक्रिया ठेकेदारों के समय से न आने को लेकर बढ़ा दी गई थी। बुधवार को अपर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देशन में अतिरिक्त उपजिलाधकारी एके मौर्या और अमित कुमार भट्ट, सचिव महा प्रबंधक सूतमिल एनके मिश्र व अन्य अधिकारियों की टीम ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कराई। निर्धारित समय में सात कंपनियों ने सीलबंद बाक्स में सीलबंद लिफाफों में अपने–अपने टेंडर डाले। इसके पश्चात सभी के समक्ष टेंडर खोले गए। सबसे ज्यादा उक्त कीमत का टेंडर आयुष इंटरप्राइजेज मोदीनगर का रहा। जबकि दूसरी अधिकतम कीमत इटावा की भारती लोहा भंडार कंपनी ने दो करोड़ 12 लाख आंकी थी। तीसरी अधिकतम कीमत एमबाई ट्रेडिंग कंपनी खुर्जा ने एक करोड़ 98 लाख रुपये आंकी थी। अन्य चार कंपनियों ने एक करोड़ 21 लाख से एक करोड़ 80 लाख के मध्य आंकी थी। टेंडर प्रक्रिया संपन्न होने पर जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में जमा ठेकेदारों की भीड़ समाप्त हुई।

पशु व्यापारी को बाइकर्स ने लूटा

इटावा, 22 जनवरी। बकेवर थाना अंतर्गत निवाड़ीकला स्थित गल्ला मंडी के पास सरेशाम एक पशु व्यापारी को बाइकर्स ने लूट लिया। पुलिस के पीछा किए जाने पर दो बाइकों पर सवार चार लुटेरों में से दो लुटेरे अपनी बाइक छोड़कर भाग गए। अहेरीपुर निवासी सुमित कुमार पुत्र रामबहादुर बकरियों के व्यापारी हैं। वह बकरियां खरीदने के सिलसिले में ही ग्राम इंद्रापुर गए थे। वहां से शाम को लौटते समय निवाड़ी कला गल्ली मंडी के पास पहुंचे तो दो बाइकों पर सवार चार लुटेरों ने उनको असलहों का भय दिखाते हुए रुकने को मजबूर कर दिया। इसके बाद लुटेरों ने उनके साथ मारपीट की। लुटेरों में एक के पास राइफल और दो के पास तमंचे थे। लुटेरों ने मारपीट करते हुए सुमित से 45 हजार रुपये, दो मोबाइल छीन लिए और भागने लगे। तभी सुमित द्वारा दी गई सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर एक बाइक पर सवार दो लुटेरे अपनी बाइक छोड़कर खेतों से होते हुए भाग निकले। सुमित के वक्त वह उक्त रकम के साथ बकरियां खरीदने के लिए निकला था। जब बात नहीं बनी तो वापस घर लौट रहा था।

11 लाख बकाए के 15 कनेक्शन काटे

इटावा, 22 जनवरी। डीएम के निर्देश पर अधिशासी अभियंता खंड प्रथम आरके ग्रोवर के नेतृत्व में बुधवार को शहर के लालपुरा व बरहीपुरा में अधिकारियों की टीम ने सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान बिजली उपभोक्ताओं में टीम को देख कर हड़कंप मच गया। हालत यह थी कि जांच से प्रभावित होकर अनेक व्यापारी भी मौके पर पहुंच गये। टीम ने 2 बिजली चोरी के मामले पकड़कर 12 हजार जुर्माना वसूल लिया एवं 11 लाख बकाए वाले 15 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिये गये। आरके ग्रोवर ने बताया कि शासन के सख्त निर्देश व डीएम द्वारा दी गयी सुरक्षा के बीच शहर में जांच अभियान बिना भेदभाव के चलाया जा रहा है। जांच टीम अचानक लालपुरा व बरहीपुरा में पहुंची तो लोगों में हड़कंप मच गया। उपखंड अधिकारी मोहन सिंह व जय प्रकाश की टीम को आगे कर जांच करके सख्त कार्रवाई करने को कहा।

हरियाली की अलख जगा रहीं गृहलक्ष्मी

इलाहाबाद, 22 जनवरी। पेड़ बचाओ–जीवन बचाओ। पेड़ नहीं तो मानव नहीं। लकड़ी नहीं, पेड़ हमारी संस्कृति हैंश आपने ऐसे न जाने कितने नारे सुने होंगे। जगह–जगह ऐसे स्लोगन भी लिखे देखा होगा। गोष्ठियों में लंबे–चौड़े भाषण सुनने के साथ ही किताबों में पेड़–पौधों की खासियत पर पढ़ाई भी की होगी लेकिन उससे प्रेरित कुछ चुनिंदा लोग ही होते हैं। पेड़ों की घटती संख्या और बढ़ता प्रदूषण इसका जीता–जागता प्रमाण है। इस दशा ने 25 साल पहले चार महिलाओं को इतना व्यथित किया कि उन्होंने एक संस्था बनाकर हर घर में हरियाली लाने की मुहिम छेड़ दी।

इलाहाबाद गार्डन एसोसिएशन की संस्थापक सदस्य और अध्यक्ष प्रभा भार्गव ने खाली पड़ी जमीन में फूल, पत्ती व फल का पौधा लगाने के साथ साग–सब्जियां उगाने की तरकीब का प्रचार–प्रसार शुरू किया। उन्होंने इस मुहिम से महिलाओं को भी जोड़ना शुरू किया। इसके पीछे सोच यह थी कि महिलाओं के पास समय पर्याप्त होता है। घरेलू हैं तो दोपहर से शाम तक काफी वक्त मिलता है। कामकाजी हैं तो शाम के समय व छुट्टियों के दिन वह बागवानी कर सकती हैं।

आज इलाहाबाद गार्डन एसोसिएशन से 25 से 75 साल की 80 महिलाएं जुड़ी हैं, जो अपने स्तर पर हरियाली लाने का योगदान दे रही हैं। इसमें गृहणी, शिक्षिका, अधिवक्ता, महिला चिकित्सक, व्यवसायी, समाजसेविका आदि शामिल हैं। संस्था द्वारा जुलाई से सितंबर माह के बीच हर साल सवा सौ पौधों का रोपण कराया जाता है। पौधरोपण के साथ उसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी संबंधित महिला की होती है। इसके अलावा जिन घरों में खाली जगह पड़ी है, वहां पेड़–पौधे लगवाने के साथ फ्लैटों में रहने वाले लोग कैसे हरियाली से जुड़ें उसके लिए काम करती हैं। फ्लैटों में रहने वालों को गमलों में फूल, साग–सब्जी उगाने की तरकीब बताती हैं। इनके प्रयास से शहर के दर्जन भर इमारतों के हर फ्लोर में गमलों में फूल, पत्ती के पौधों के साथ साग–सब्जी उगाई जा रही हैं। प्रभा भार्गव कहती हैं पेड़ों की घटती संख्या ने हमें इतना व्यथित किया कि कांति जिंदल, संतोष भार्गव, मंजू शर्मा व मैंने मिलकर हर घर में हरियाली लाने का मिशन शुरू किया, काम चुनौतीपूर्ण था परंतु असंभव नहीं। यही कारण है कि हमने अपने घर से मुहिम की शुरुआत की। घर को हरा–भरा करके अपने सगे–संबंधी व मित्रों को बुलाकर उसे दिखाया, उसकी खासियत बताई जो उन्हें काफी पसंद आई। धीरे–धीरे हमारा कारवां आगे बढ़ता गया। आज लोग स्वयं संपर्क करके बागवानी के बारे में जानकारी लेते हैं।

इलाहाबाद गार्डन एसोसिएशन का महिलाओं के लिए मूलमंत्र है श्खाली समय में पंचायत नहीं, बागवानी कर उसका सदुपयोग करोश। प्रभा कहती हैं महिलाओं के बारे में प्रचलन है कि वह बात बहुत करती हैं, वह भी अपने घर से जुड़ी। इसका न तो उन्हें कोई लाभ मिलता है, न समाज को। मैंने महिलाओं की इसी सोच को बदलने का प्रयास शुरू किया कि खाली समय में बात करने के बजाय बागवानी करो। कौन सा पौधा कब और कैसे लगाना चाहिए तथा उसका पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा उस पर शोध करो। इससे आपका और समाज का भला होगा। इलाहाबाद गार्डन एसोसिएशन द्वारा हर माह संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है। इसके तहत महीनें में चलाए जाने वाले अभियान की रूपरेखा तैयार होती है। साथ ही पीछे के कार्यो की समीक्षा की जाती है। हर संगोष्ठी में सारे सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य रहती है। इसमें उन लोगों को भी जोड़ा जाता है जिनके घरों में संस्था के प्रयास से पौधरोपण या साग–सब्जी उगाना शुरू हुआ है। ऐसे लोगों को दूसरों को प्रेरित करने की अपील की जाती है। इसके जरिए मुहिम लगातार आगे बढ़ रही है।

प्रभा भार्गव ने पेड़ पौधे लगाने के साथ उससे जुड़ी कई किताबें भी लिखी हैं। इसमें पुष्पवाटिका, उद्यान कला, बागवानी कला, पुष्पित वृक्ष एवं लताएं और वार्षिक बागवानी काफी चर्चित रही हैं। इन सभी किताबों को भोपाल स्थित श्रीसत्य साई यूनिवर्सिटी के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। वहीं वे सेना के स्कूल, अनेक डिग्री कॉलेज व विश्वविद्यालयों में अक्सर व्याख्यान के लिए आमंत्रित की जाती हैं। वह अब तक देशभर में दो हजार से अधिक सेमिनारों में भाग लेकर बागवानी का गुर सिखा चुकी हैं।

बच्चों को सिखाये आग से बचाव के गुर

इटावा, 22 जनवरी। उत्तर प्रदेश अग्नि शमन सेवा के तत्वावधान मे क्षेत्र के कल्पनानंद बालिका इंटर कालेज शाहजहापुर में बच्चों और स्टाफ के लोगों को आग से बचने के तरीकों को बताते हुये फायर एंड एवेक्युशन ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी हंसराज यादव तथा विशिष्ठ अतिथि क्षेत्राधिकारी सैफई अरूण कुमार दीक्षित थे।

बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने कहा कि खेत खलियान, घरों आदि में भीषण आग लगने के उपरांत अपने को खतरे में डालकर अग्निशमन विभाग के कर्मी सबकी जान बचाकर राहत पहुंचाते हैं। इसके अलावा दैवीय आपदाओं की घटनाओं में भी स्थानीय सहयोग से फायर कर्मी सहयोग प्रदान करते हैं। विशिष्ठ अतिथि क्षेत्राधिकारी सैफई अरूण कुमार दीक्षित ने कहा कि अग्निशमन सेवा में काफी चुनौतियां हैं। कोई अगर नदी में डूब गया है, कुएं में गिर गया है, या कोई बड़ी अन्य घटनाओं में कठिन परिस्थितियों में भी फायर सर्विस के लोगों को सामना करना पड़ता है। स्कूल के निदेशक डा. प्रमोद यादव व प्रबन्धक मुकद्दम सिंह सरपंच ने मुख्य अतिथि हंसराज यादव तथा क्षेत्राधिकारी अरूण कुमार दीक्षित का माल्यार्पण कर व शाल उढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी शिवदयाल शर्मा तथा अन्य फायर कर्मियों द्वारा आग लगने पर बच्चों को सुरक्षित निकालना बताया। इस मौके पर लीडिंग फायर मैन राकेश सिंह, विनोद सिंह, फायर सर्विस चालक सुभाष सिंह, राकेश सिंह, फायर मैन रक्षपाल सिंह, रामपाल सिंह, शिवराम सिंह, तथा अभिलाख सिंह के अलावा प्रधानाचार्य कृष्ण मुरारी यादव, मौजूद रहे।

सिकंदरा में युवक की गोली मारकर हत्या

आगरा, 22 जनवरी। सिकंदरा के शिवा कुंज में बुधवार को हिस्ट्रीशीटर ने युवक की उसके घर के सामने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद साथियों के साथ कार से भाग निकला। हत्या के पीछे छह महीने पुरानी रंजिश बताई गई है। सिकंदरा के केके नगर स्थित शिवा कुंज कॉलोनी निवासी 28 वर्षीय सौरभ शर्मा उर्फ सोनू पुत्र अमरनाथ अग्निशमन उपकरणों में गैस भरने का काम करते थे। बुधवार सुबह लगभग नौ बजे आंगन में बैठकर सब्जी काट रहे थे। इसी दौरान छोटे भाई सुलभ की पत्नी कविता आंगन में सफाई करने लगीं, तो वह दरवाजे पर धूप में बैठने चले गए। घर के सामने सड़क पर पहले से खड़ी होंडा सिटी कार में बैठे भोजराज उर्फ भोजा ने सौरभ के सीने में गोली मार दी। भाभी कविता और मां बाला देवी के मुताबिक उनको लगा कि गाड़ी का टायर फट गया है। मां बाहर निकलकर आई तो पुत्र सौरभ को दरवाजे पर खून से लथपथ पड़ा देख होश उड़ गए। परिजन उन्हें एसएन इमरजेंसी लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दुस्साहसिक घटना की जानकारी होने पर एसपी सिटी समीर सौरभ, सीओ एके सिंह फोर्स के साथ पहुंच गए।

सौरभ के परिजनों का पुलिस से कहना था कि शिवा कुंज के रहने वाले भोजराज से रंजिश की नींव छह माह पूर्व पड़ी। मां बाला देवी ने बताया कि भोजराज दूध बेचने का काम भी करता है। वह अपनी पत्नी से मारपीट कर रहा था, तो वह उसे बचाने पहुंच गई। इससे क्रुद्ध होकर भोजराज ने उनको ईट मार दी, जिसकी शिकायत उन्होंने पुत्र सौरभ से की। इसे लेकर सौरभ और भोजराज में मारपीट हो गई थी। इससे वह रंजिश मानने लगा था। एसपी सिटी समीर सौरभ के मुताबिक भोजराज हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ हत्या, लूट तथा रंगदारी आदि के 14 मुकदमे दर्ज हैं। मृतक के परिजनों ने भोजराज के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। कॉलोनी में भोजराज ने जिस समय सौरभ को गोली मारी, तब आसपास के घरों के अन्य लोग भी दरवाजे पर धूप में बैठे थे। गोली चलते ही दहशत के कारण वह अपने घरों में कैद हो गए। कार से भागते भोजराज और उसके साथियों को रोकने का किसी को साहस नहीं हुआ।

हादसों में दो की मौत

इटावा, 22 जनवरी। इटावा रेलवे स्टेशन पर एक महिला यात्री ट्रेन के नीचे आने के बावजूद कटने से बच गई लेकिन ऊपर से ट्रेन गुजरने के लगे सदमे से उसने दम तोड़ दी। दरअसल वह ट्रेन से झटका खाकर प्लेटफार्म पर गिरी उसके बाद प्लेटफार्म से ट्रैक के बीचोंबीच आ गई।

कमला देवी (58) पत्नी पूरन सिंह निवासी मेहताबनगर नई आबादी लाइन पार फिरोजाबाद अपनी जेठानी प्रकाशवती के साथ बकेवर क्षेत्र के व्यासपुरा में बीमार ननद का हालचाल लेने के लिए मंगलवार को आई थी। बुधवार को वह दोपहर करीब साढ़े 12 बजे वह ऊंचाहार एक्सप्रेस से वापस घर जाने के लिए रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं. दो पर पहुंचकर ट्रेन में चढ़ी। चढ़ते ही ट्रेन चल दी तो झटका लगने पर वह प्लेटफार्म पर गिरी और संभल न पाने से दूसरा झटका खाकर ट्रैक पर बीचोंबीच जा गिरी। तब उसके ऊपर से ट्रेन के सात कोच निकल गए, लेकिन उसको खरोच तक नहीं आई। ट्रेन गुजरने के बाद जब उसको ट्रैक से उठाकर प्लेटफार्म पर लाया गया तो वह बेहोशी की हालत में थी, तुरंत डाक्टरों को बुलाया गया। डाक्टर जब तक उपचार शुरू करते या जिला अस्पताल ले जाने की तैयारी की जाती तब तक उसने एक उलटी की और दम तोड़ दिया। डाक्टरों के मुताबिक महिला यात्री की जान सदमा लगने के कारण हुई है। दूसरी तरफ सैफई थाना अंतर्गत ग्राम उसरई में लालाराम (55) पुत्र भारत सिंह की सर्पदंश से मृत्यु हो गई। वह अपने खेतों पर धान की पुआल लेने के लिए गए थे।

जिसमें मौजूद सर्प ने उनको डस लिया। हालत बिगड़ने पर उनको पीजीआई में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान दम तोड़ दी। तीसरा हादसा भरथना क्षेत्र के बिधूरा रोड पर शाम के वक्त हुआ। मोहल्ला गिरधारीपुरा निवासी 28 वर्षीय विनोद पुत्र पंछीलाल बिधूना रोड स्थित श्रीनाथ मैरिज होम में आयोजित शादी समारोह में दावत में शरीक होने के बाद वापस जब घर पैदल लौट रहा था तभी पीछे से तेज गति से आती कार ने उसके टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। चौथी घटना भरथना थाना क्षेत्र के ग्राम बेर में हुई। वहां रोवद्र बाबू की छह साल की पुत्री पूजा के एक हाथ की एक अंगुली चारा मशीन से कट गई।

और उलझी ताज बंदी की पहेली

आगरा, 22 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आगमन से जहां अफसरों से लेकर सरकार तक की धड़कनें बढ़ी हैं, वहीं पर्यटक भी बैचेन हैं। गणतंत्र दिवस की छुट्टी पर ताज भ्रमण का कार्यक्रम बना चुके सैलानी समझ नहीं पा रहे कि ताजनगरी आएं या नहीं। 27 जनवरी को विदेशी राष्ट्रपति आगमन के दिन ताज खुलेगा या नहीं, ये सवाल एक पहेली बन गया है। व्यवस्थाओं से जुड़े अफसरों को खुद भी इसकी जानकारी नहीं। इसी उलझन में एक ओर तो 27 को भी ताज खोलने की बात हो रही है, वहीं दूसरी ओर 27 के साथ 26 को भी स्मारक बंद कराने की कसरतें चल रही हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का 27 जनवरी को आगरा भ्रमण प्रस्तावित है। वे कितने बजे आएंगे और कितनी देर ताज का दीदार करेंगे, इसकी अधिकृत जानकारी अब तक किसी के पास नहीं। उनके आगमन के दिन ताज में पर्यटकों को प्रवेश मिलेगा या नहीं, आवागमन में कोई परेशानी तो नहीं होगी। ऐसे सवालों को कोई जवाब नहीं मिल रहा।

बुधवार को सर्किट हाउस में अमेरिकी एडवांस टीम और स्थानीय अधिकारियों की बैठक में यह मुद्दा उठा। सूत्रों के मुताबिक विचार हुआ कि 27 जनवरी को सुबह नौ बजे तक ताज पर्यटकों के लिए खुला रखा जाए। इसके बाद पर्यटकों को बाहर निकाल दस बजे तक परिसर को पूरी तरह खाली कराने के बाद अमेरिकी कमांडो के साथ सुरक्षा एजेंसियां वहा डेरा डाल देंगी। हालांकि इस पर अंतिम सहमति नहीं बनी।

दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के दीदार–ए–ताज से एक दिन पूर्व अमेरिकी एडवांस टीम फुलप्रूफ रिहर्सल करना चाहती है। इसके लिए गृह मंत्रालय को पत्र भेजकर अनुमति मांगी गई है। टीम ने बुधवार को भी ताज में निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। टीम सदस्य मुख्य गुंबद पर भी ऊपर गए। मंगलवार को भी टीम के सदस्यों ने उत्तर–पूर्वी मीनार पर चढ़कर हालात का जायजा लिया था। टीम मीनारों और ताज की छत से सुरक्षा को दुरुस्त करने को यहां सुरक्षाकर्मी तैनात कर सकती हैं। अमेरिकी टीम की रिहर्सल करने की भी योजना है। ताज पर 26 जनवरी को राष्ट्रीय अवकाश होने से भीड़ उमड़ती है। रिहर्सल के लिए ताज बंद होने पर पर्यटकों को दुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

रत्नेश्वरानंद के कातिल को तलाश रहीं तीन टीमें

इलाहाबाद, 22 जनवरी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और प्रख्यात कथावाचक सतपाल महाराज के करीबी शिष्य रत्नेश्वरानंद के हत्यारोपी राजेश गौड़ की तलाश में क्राइम ब्रांच के अलावा जिला पुलिस की दो टीमें लगी हैं। हालांकि उसका अभी तक सुराग नहीं लग सका है। पुलिस को छानबीन में पता चला है कि वह चार साल पहले ही घर छोड़ चुका था। राजेश मूल रूप से तो कुशीनगर के रामकोला इलाके का रहने वाला है मगर वह काफी समय तक आजमगढ़ के बरदहा इलाके में भी रहा है तो वहां भी उसकी खोजबीन की जा रही है।

माघ मेला क्षेत्र की काली सड़क पर स्थित मानव धर्म शिविर में सोमवार की रात संत रत्नेश्वरानंद की फावड़े से वार कर हत्या कर दी गई थी। हत्या का आरोप उनके शिष्य राजेश गौड़ पर आया था। रत्नेश्वरानंद की हत्या के बाद से राजेश फरार है। पुलिस ने उसके बारे में जानकारी जुटानी शुरू की तो पता चला कि वह गोरखपुर के रामकोला इलाके का रहने वाला है। हालांकि वह चार साल पहले ही घर छोड़ चुका है। वह घर छोड़ने के बाद हरिद्वार स्थित सतपाल महाराज के आश्रम मानव उत्थान समिति से जुड़ गया। वह आश्रम का पूर्णकालिक सदस्य नहीं था। आश्रम से वह अक्सर आजमगढ़ के बरदहा इलाके में रहने वाले अपने एक रिश्तेदार के यहां आता जाता था। लिहाजा पुलिस की एक टीम कुशीनगर और दूसरी टीम आजमगढ़ में उसकी खोजबीन में जुटी हैं। एसएसपी दीपक कुमार का कहना है कि सर्विलांस की मदद से उसकी खोजबीन की जा रही है। जल्द ही वह पुलिस की हिरासत में होगा। मानव उत्थान समिति के अलीगढ़ आश्रम के मुख्य प्रबंधक और संत रत्नेश्वरानंद का बुधवार की सुबह दारागंज घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। संत को मुखाग्नि उनके शिष्य अजयानंद ने दी। उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए दिल्ली और अलीगढ़ आश्रम से भी कई संत और उनके शिष्य यहां आए।

1000 यूएस कमांडो और जंबो विमान

आगरा, 22 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की सुरक्षा को करीब एक हजार यूएस कमांडो की टोली आएगी। विशेष प्रशिक्षित मरीन कमांडो एयरफोर्स स्टेशन से लेकर ताजमहल सहित अन्य रूटों पर सड़क के दोनों ओर रहेंगे। कमांडो यहां हेलीकाप्टर या फिर विशेष वाहनों से आएंगे।

मंगलवार को सर्किट हाउस में आइजी एसके गुप्ता और मंडलायुक्त प्रदीप भटनागर ने तैयारियों की समीक्षा की। प्रस्तावित दौरे को देखते हुए निर्धारित रूट पर सफाई शुरू हो गई है और आसपास के पेड़ों के तनों को सफेद और गेरुआ रंग लगाया जा रहा है। बैठक के बाद अफसरों ने पूर्वी गेट से ताज में प्रवेश किया। रॉयल गेट, वीडियो प्लेटफार्म, सेंट्रल टैंक, चमेली फर्श से यमुना किनारे तक की सुरक्षा का जायजा लिया। बैठक में अमेरिकी एजेंसी के भी अफसर शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक 23 जनवरी को एक और एडवांस टीम आ रही है। बड़ी संख्या में अमेरिकी अफसर यहां पहले से ही डेरा जमाए हुए हैं। सूत्रों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति के इर्द गिर्द एक हजार से अधिक यूएस कमांडो का अभेद सुरक्षा घेरा होगा। इन कमांडो को कई टुकड़ियों में बांटा जाएगा, यहां तक एयरफोर्स स्टेशन के रनवे पर भी कमांडो रहेंगे। सूत्रों के अनुसार 25 जनवरी को जंबो विमान एयरफोर्स स्टेशन पहुंच जाएगा और विमान आगरा के आसमान से नजर रखेगा। बैठक में डीआइजी लक्ष्मी सिंह, डीएम पंकज कुमार सहित अन्य अफसर मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) को रेलवे ट्रेनों के संचालन में बदलाव करने की तैयारी में है। नई दिल्ली से चलने वाली कई ट्रेनें को निजामुद्दीन से चलाया जाएगा, इसी तरह से कई ट्रेनों का स्टापेज निजामुद्दीन तक ही रहेगा। कर्नाटका, केरला, कालका एक्सप्रेस सहित कई अन्य ट्रेनों का संचालन सिर्फ निजामुद्दीन तक करने का प्रस्ताव तैयार किया है। जिससे सुबह दस से साढ़े बारह बजे तक की कुछ ट्रेनें शामिल हैं। ऐसी ट्रेनों की रिहर्सल 23 जनवरी तक होगी, जिन्हें नई दिल्ली के बदले निजामुद्दीन तक ही चलाया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में 16 बिजली चोरी के मुकदमे

इटावा, 22 जनवरी। शासन, प्रशासन एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों की सख्ती के चलते इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वाधिक बिजली चोरी के मामले पकड़े जा रहे हैं। संबंधित अधिकारियों द्वारा त्वरित एफआईआर की कार्रवाई अमल में लाये जाने को लेकर ग्रामीण क्षेत्र के बिजली चोरों में इस समय हड़कंप मचा हुआ है। जिलाधिकारी के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान ने अब तेजी पकड़ ली है। इसी के तहत बुधवार को जसवंतनगर क्षेत्र में 8, बकेवर में 6 और भरथना में दो बिजली चोरी सहित 16 मामले दर्ज कराये गये हैं।

अधीक्षण अभियंता मंडल धनीराम मौर्य ने बताया कि अधिशासी अभियंता खंड–2 आरवी सिंह के नेतृत्व में चलाये जा रहे सघन बिजली जांच अभियान में उपखंड अधिकारी बकेवर रवीन्द्र चौधरी की टीम ने ग्राम मुखरामपुर व ग्राम सितौरा में 6 बिजली चोरी, कुदरकोट में 2 और उपखंड अधिकारी फसाहत अली द्वारा जसंवतनगर के नगला भगत व नगला अर्जुन सहित 16 मुकदमे दर्ज कराये गये। टीमों द्वारा 342 कनेक्शन चेक किए गये। इस दौरान कड़ी सुरक्षा के बीच 7 कनेक्शनों का लोड बढ़ाया गया और 76 उपभोक्ताओं को नये कनेक्शन जारी किए गये। टीमों ने 19 पुराने मीटर बदलकर नये लगा दिए व 9 लाख 80 हजार बकाये वाले 33 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिये गये। जांच टीमों ने 260 बकाएदारों से 19.30 लाख जमा करा लिए तथा ओटीएस योजना में 93 उपभोक्ताओं के पंजीयन कर 6.08 लाख प्राप्त कर लिए। श्री मौर्य ने बताया कि डीएम द्वारा सुरक्षा को लेकर दिए गये आश्वासन के बाद जांच टीमों का मनोबल बढ़ गया है। लखना में अभियान के तहत 8 कटिया चोरी के मामले पकड़े गये। अवर अभियंता राजेश कुमार ने राधेश्याम व रणवीर सिंह का कनेक्शन काट दिया। 8 लोगों को बिजली चोरी करते पकड़ा गया। थानाध्यक्ष जेपी पाल, संजय गुप्ता चौकी इंचार्ज, लाइन मैन प्रेम कुशवाहा, स्वदेश पांडेय, रामू कुशवाह, इंदल कुशवाह मौजूद रहे।

सम्पादकीय

जॉन कैरी का संदेश

पिछले सप्ताह अमेरिका के विदेशमंत्री जॉन कैरी के दक्षिण एशिया के दौरे से वह नाटकीय रूपांतरण उद्घाटित होता है, जो पिछले कुछ वर्षो से अमेरिका की दक्षिण एशियाई नीति में चल रहा है। भारत के प्रबुद्ध तबके को अमेरिका से यह शिकायत रही है कि वह भारतीय चिंताओं को गंभीरता से नहीं लेता। कैरी का दौरा भी अमेरिका की इसी विदेश नीति का संकेतक था। अमेरिका और भारत के बीच अनेक मुद्दों पर गंभीर मतभेद हैं, किंतु नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद अमेरिका को अपनी दक्षिण एशियाई नीति को फिर से प्रतिपादित करने का अवसर मिला है। कैरी ने स्पष्ट भी कर दिया है कि अमेरिका इस अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहता है। भारत के गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के तौर पर पधार रहे अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के दौरे से तुरंत पहले कैरी ने यह यात्रा की। इससे अमेरिका में भारत की बढ़ती अहमियत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

वाइब्रेंट गुजरात को संबोधित करते हुए कैरी ने भारत और अमेरिका के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों की जोरदार पैरवी की। उन्होंने व्यापार नीति, ऊर्जा, संचार, जलवायु परिवर्तन और बौद्धिक संपदा जैसे मुद्दों पर खास जोर दिया। जॉन कैरी अपने साथ अंतरराष्ट्रीय शिष्टमंडल लेकर आए थे। कैरी की यात्र का खास मकसद भारत–अमेरिका के बीच आर्थिक साझेदारियों को उच्च वरीयता प्रदान करना था। कैरी ने वाइब्रेंट गुजरात में कहा कि हम अधिक काम कर सकते हैं, हमें अधिक काम करना चाहिए और जल्द से जल्द करना चाहिए। कैरी ने अमेरिकी कंपनियों को मोदी के आर्थिक लक्ष्यों की पूर्ति में मदद करने को भी कहा। मोदी की एक पहल आसान विदेश निवेश के लिए भारत में उचित वातावरण तैयार करना है। फिलहाल भारत और अमेरिका के बीच करीब 30 अरब डॉलर का व्यापार होता है। वाशिंगटन इसे भविष्य में पांच गुना बढ़ाने की इच्छा रखता है।

रक्षा सहयोग द्विपक्षीय सहयोग के बड़े क्षेत्र के रूप में उभरा है। ओबामा और मोदी पहले ही 2005 न्यू फ्रेमवर्क ऑन डिफेंस करार का नवीनीकरण कर चुके हैं। साथ ही यह घोषणा की जा चुकी है कि दोनों देश रक्षा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, व्यापार, शोध, सह–उत्पादन और सह–विकास आदि मुद्दों पर निकटतम साझेदार के तौर पर एकदूसरे से समान स्तर पर व्यवहार करेंगे। दो प्रमुख परियोजनाओं को ओबामा के आगामी दौरे पर ही अंतिम रूप दिया जा सकता है। ये हैं– अनमैन्ड एरियल वेहिकल्स और सी–130 सैन्य परिवहन मालवाहक विमान।

वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच क्षेत्रीय सामरिक सहयोग भी गति पकड़ रहा है। सितंबर 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी दौरे में दोनों देशों ने सहयोग के नए क्षेत्रों को चिह्नित किया। इनमें दक्षिण चीन सागर में स्थिरता कायम करना और अशांत पश्चिम एशिया के संबंध में सूचनाएं साझा करना शामिल है। और अब खबर आ रही है कि भारत ने इस्लामिक स्टेट के खिलाफ लड़ाई में भागीदारी का फैसला किया है। मोदी सरकार सीरिया और इराक में शांति मिशन में भाग लेने के पक्ष में है। अगर ऐसा होता है तो यह भारत के वैश्विक नजरिये में बड़ा बदलाव होगा। वाशिंगटन लंबे समय से कोशिश कर रहा है कि भारत पश्चिम एशिया के अशांत क्षेत्रों में वैश्विक मिशन में भागीदारी करे। ओबामा के भारत दौरे से पूरी तस्वीर खुलकर सामने आ जाएगी कि विश्व के दो प्रमुख लोकतंत्र क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए मिलकर क्या कदम उठाने की योजना बना रहे हैं। ऐसे समय जब भारत–अमेरिका के संबंध तेजी से मजबूत हो रहे हैं, अमेरिका की विदेश नीति में पाकिस्तान की भूमिका घटती जा रही है। हालिया महीनों में, इस्लामाबाद वाशिंगटन के सामने प्रदर्शन कर रहा है कि वह आतंकवाद से लड़ने के लिए कटिबद्ध है। पाकिस्तान यात्र के दौरान जॉन कैरी ने नवाज शरीफ और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल रहील शरीफ से मुलाकात कर पाकिस्तान को आतंक के खिलाफ जंग के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान पाकिस्तान ने सात आतंकियों को देश के अलग–अलग भागों में फांसी पर चढ़ा दिया। इसके माध्यम से पाकिस्तान कैरी के सामने दिखाना चाहता था कि आतंकवाद के खिलाफ उसका रवैया कड़ा है। कैरी ने पाकिस्तान को नसीहत दी कि उसे पाकिस्तान से संचालित तमाम आतंकी समूहों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए चाहे यह हक्कानी नेटवर्क हो, लश्करे–तैयबा हो या फिर अफगान तालिबान। इसके अलावा अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा पैदा करने वाले तमाम आतंकी समूहों को निशाने पर लेने पर जोर दिया।

इस तरह की खबरें मिल रही हैं कि पाकिस्तानी सरकार हक्कानी नेटवर्क और जमात–उद–दावा पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। इन संगठनों को अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र पहले ही लश्करे–तैयबा के अनुषंगी समूहों के तौर पर चिह्नित कर चुके हैं। इसी तरह के अन्य संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने की सोच रहा पाकिस्तान आतंकवाद और सुरक्षा नीति में आमूलचूल परिवर्तन लाने की बात कर रहा है। अमेरिका ने पाकिस्तानी तालिबान के कमांडर मुल्ला मौलाना फजलुल्लाह को विशेष निर्दिष्ट वैश्विक आतंकी घोषित किया है और अमेरिका में उसकी तमाम संपत्तियां जब्त कर ली हैं। इसके अलावा उसके साथ अमेरिकियों का किसी भी किस्म का संपर्क रखना या व्यवहार करना अपराध की श्रेणी में आ गया है। फजलुल्लाह नवंबर 2013 में पाकिस्तानी तालिबान का प्रमुख बन गया था। उसने 16 दिसंबर को पेशावर के स्कूल में नरसंहार की जिम्मेदारी ली थी।

क्यों लिखें रोमन में

हिंदी को रोमन लिपि में अपनाने का प्रस्ताव एक बड़े षड्यंत्र का हिस्सा है जो हिंदी को दुर्बल बनाने का प्रयास है। अतरू इसका प्रतिकार आवश्यक है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि भाषा चुने हुए ध्वनि प्रतीकों का उपयोग करते हुए पारस्परिक संवाद को संभव बनाती है। संवाद में ही भाषा का जीवन बसता है। ध्वनियां शब्द रचती हैं और लिपि चिह्नें की ऐसी व्यवस्था होती है जो ध्वनियों की जगह लेती है। इस तरह लिपि भाषा को एक मूर्त आकार देती है और वाचिक व्यवहार को एक खास तरह की व्यवस्था और अनुशासन में ले आती है। लिपि की सहायता से ही भाषा अंकित तथा दृश्य रूप में हमारे सामने वक्ता से स्वतंत्र रूप में भी उपस्थित हो पाती है। लिपि के होने पर भाषा के लिए किसी के साथ साक्षात संवाद की दरकार नहीं रह जाती। इस तरह भाषा को एक प्रत्यक्ष और प्रकट रूप देने के साथ–साथ लिपि वक्ता की अनुपस्थिति में भी भाषा के अस्तित्व और निरंतरता को अक्षुण्ण बनाए रखती है। अतरू भाषा के दीर्घ जीवन के लिए लिपि अनिवार्य रूप से जरूरी है। भाषा का लिखित रूप हमें एक नई सृजनात्मक दुनिया की संभावनाओं का द्वार खोलता है। भाषाओं का इतिहास इस बात का गवाह है कि जिन भाषाओं की लिपि नहीं थी या नहीं है, वे समाप्त हो चुकी हैं या फिर समाप्त होने के कगार पर पहुंच रही हैं। लिपि के बिना भाषा का जीवन खतरे में पड़ जाता है। चूंकि भाषा में ही हमारी ज्ञानराशि का अधिकांश भाग बसता है इसलिए लिपि ज्ञान को सीमित देश और काल की सीमाओं से मुक्त कर उसे देश–देशांतर में उपलब्ध कराने के लिए एक आवश्यक उपकरण बन जाती है। इस तरह भाषा, ज्ञान और लिपि का आपस में बड़ा गहरा रिश्ता है। छोटे बच्चे को शुरू में लिपि के सहारे भाषा–ज्ञान में प्रवेश कराया जाता है। आज रोमन लिपि का अनेक देशों में प्रचार दिखता है। मूलतरू ग्रीक भाषा की लिपि रोमन थी जो यूरोप, अफ्रीका और एशिया के कुछ देशों की भाषाओं की लिपि बन गई। ऐसा मुख्यतरू अंग्रेजी उपनिवेश वाले देशों में हुआ। मध्य एशिया के देशों में अरबी लिपि आगे बढ़ी। भारत में ब्राह्मी लिपि से देवनागरी लिपि का जन्म हुआ। इस लिपि में व्यापक समुदाय की ध्वनियों का प्रतिनिधित्व करने के साथ–साथ लिखने, पढ़ने और उच्चारण की सामर्थ्य है, फिर भी समय–समय पर रोमन लिपि के वर्चस्व को देख कर यह प्रस्ताव किया जाता रहा है कि हिंदी को आगे बढ़ाने के लिए उसे रोमन लिपि में लिखा जाए। हिंदी भाषा स्वभावतरू श्देवनागरीश लिपि में निबद्ध है। इस लिपि में स्वर और व्यंजन के बीच स्पष्ट अंतर है जो रोमन लिपि में नहीं पाया जाता। निरूसंदेह देवनागरी रोमन की तुलना में अधिक वैज्ञानिक है। हिंदी का ककहरा देवनागरी लिपि में सीखा जाता है। इसमें 11 स्वर और 35 व्यंजन हैं। प्रत्येक स्वर के लिए बारह खड़ी की एक निश्चित मात्र है। व्यंजनों को कंठ से उद्भुत होने वाले और ऐसे ही दन्त्य, तालव्य, मूर्धन्य, ओष्ठ्य जैसे वगरें में रखा गया है। हर एक वर्ग में पांच–पांच व्यंजन हैं। आठवीं और नौवीं सदी में नागरी लिपि का प्रचलन मिलने का इतिहास है और हमारे संविधान ने इसे राजभाषा हिंदी की अधिकारिक लिपि का दर्जा भी दिया है। बीसवीं सदी के आरंभ में अनेक प्रबुद्ध भारतीयों ने देश की एकता के लिए एक लिपि अपनाने पर जोर दिया था। इनमें दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, शारदा चरण मित्र आदि का नाम प्रमुख है। विनोबा भावे ने अपने व्यापक अध्ययन से देवनागरी को भारतीय बोलियों की ध्वनियों के लिए वैज्ञानिक माना। एक ध्वन्यात्मक लिपि के रूप में यह अद्वितीय है। इसमें हर वर्ण एक अक्षर व्यक्त करता है। चूंकि प्रत्येक वर्ण लेखन की इकाई होता है, उसे लेखिम भी कहते हैं। उसका एक निश्चित स्वनिक नियम भी होता है। इसका लाभ यह है कि सही उच्चारण जान लेने वाला उसे सही ढंग से लिख सकता है। लिखने और बोलने की समतुल्यता अद्भुत है। इसमें एक ध्वनि के लिए एक ही चिह्न है परंतु रोमन लिपि में यह सुविधा नहीं है। वहां ङ्घ का उच्चारण श्कश की ध्वनि के लिए और श्सश की ध्वनि दोनों के लिए किया जाता है। अतरू रोमन में एक वर्ण एक स्वनिक का नियम लागू नहीं होता। अतरू लिखे शब्द को जाने बिना शुद्ध उच्चारण असंभव हो जाता है। कट और पुट में यू की ध्वनि अलग है। कुछ ध्वनियां उच्चारित ही नहीं होतीं (जैसे– कैच, हाफ, बजट)।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो रोमन और देवनागरी की भी भिन्नता उल्लेखनीय है। यह भी स्मरणीय है कि रोमन में मात्र 26 वर्ण हैं जबकि देवनागरी में इसके दुगुने। मात्र भी बड़े स्पष्ट ढंग से लगती है। ह्रस्व दीर्घ का भेद स्पष्ट है। उच्चारण स्थान के आधार पर वर्गीकरण इसकी अपनी विशेषता है और उसी के आधार पर ही ध्वनियां वर्गीकृत हैं। संत विनोबा भावे ने इसे गुणवत्ता के आधार पर श्विश्वनागरीश कहा था। लिप्यांतरण और प्रतिलेखन के लिए भी देवनागरी सर्वथा उचित है। गुणवता की दृष्टि से नागरी अधिक समृद्ध है। यह बात देश–विदेश के अनेक विद्वानों ने स्वीकार की है। इसमें मात्रओं, अनुस्वार, विसर्ग, हल, अनुनासिकता के स्पष्ट चिह्न दिए गए हैं। यह भी उल्लेख्य है कि संस्कृत, मराठी, डोगरी, मैथिली, बोडो और नेपाली की भी यही लिपि है। प्रामाणिकता और स्पष्टता के कारण देवनागरी किसी भी भाषा की ध्वनियों को व्यक्त करने में समर्थ है।

आज देवनागरी की कम्प्यूटर के लिए उपयुक्तता साबित हो रही है। इंटरनेट, लैपटाप, टेबलेट तथा मोबाइल में इसका उपयोग बढ़ रहा है। याहू, गूगल और एमएसएन सब हिंदी में हैं। सूचना, व्यापार और मनोरंजन की दुनिया में इसका प्रवेश हो रहा है। भाषा का लिखित रूप हमें एक नई सृजनात्मक दुनिया का मार्ग खोलती है। आक्षरिकता के कारण देवनागरी शब्दों को कम समय और स्थान में लिख लेना संभव बनाती है। इसकी शिरोरेखा की व्यवस्था भी इसे एक विशेष रूप देती है। इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों के विकास के साथ हिंदी अनेक दृष्टियों से प्रभावी हो रही है। हिंदी का होना नागरी के साथ अभिन्न रूप से जुड़ा है। अतरू हिंदी देवनागरी में ही जीवित रह सकेगी, फूलेगी–फलेगी।1(लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति हैं)। हिंदी को रोमन लिपि में अपनाने का प्रस्ताव एक बड़े षड्यंत्र का हिस्सा है जो हिंदी को दुर्बल बनाने का प्रयास है। अतरू

> भाषा का लिखित रूप हमें एक नई सृजनात्मक दुनिया की संभावनाओं का द्वार खोलता है। भाषाओं का इतिहास इस बात का गवाह है कि जिन भाषाओं की लिपि नहीं थी या नहीं है, वे समाप्त हो चुकी हैं या फिर समाप्त होने के कगार पर पहुंच रही हैं। लिपि के बिना भाषा का जीवन खतरे में पड़ जाता है। चूंकि भाषा में ही हमारी ज्ञानराशि का अधिकांश भाग बसता है इसलिए लिपि ज्ञान को सीमित देश और काल की सीमाओं से मुक्त कर उसे देश–देशांतर में उपलब्ध कराने के लिए एक आवश्यक उपकरण बन जाती है। इस तरह भाषा, ज्ञान और लिपि का आपस में बड़ा गहरा रिश्ता है। छोटे बच्चे को शुरू में लिपि के सहारे भाषा–ज्ञान में प्रवेश कराया जाता है।

इसका प्रतिकार आवश्यक है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि भाषा चुने हुए ध्वनि प्रतीकों का उपयोग करते हुए पारस्परिक संवाद को संभव बनाती है। संवाद में ही भाषा का जीवन बसता है। ध्वनियां शब्द रचती हैं और लिपि चिह्नें की ऐसी व्यवस्था होती है जो ध्वनियों की जगह लेती है। इस तरह लिपि भाषा को एक मूर्त आकार देती है और वाचिक व्यवहार को एक खास तरह की व्यवस्था और अनुशासन में ले आती है। लिपि की सहायता से ही भाषा अंकित तथा दृश्य रूप में हमारे सामने वक्ता से स्वतंत्र रूप में भी उपस्थित हो पाती है। लिपि के होने पर भाषा के लिए किसी के साथ साक्षात संवाद की दरकार नहीं रह जाती। इस तरह भाषा को एक प्रत्यक्ष और प्रकट रूप देने के साथ–साथ लिपि वक्ता की अनुपस्थिति में भी भाषा के अस्तित्व और निरंतरता को अक्षुण्ण बनाए रखती है। अतरू भाषा के दीर्घ जीवन के लिए लिपि अनिवार्य रूप से जरूरी है।

भाषा का लिखित रूप हमें एक नई सृजनात्मक दुनिया की संभावनाओं का द्वार खोलता है। भाषाओं का इतिहास इस बात का गवाह है कि जिन भाषाओं की लिपि नहीं थी या नहीं है, वे समाप्त हो चुकी हैं या फिर समाप्त होने के कगार पर पहुंच रही हैं। लिपि के बिना भाषा का जीवन खतरे में पड़ जाता है। चूंकि भाषा में ही हमारी ज्ञानराशि का अधिकांश भाग बसता है इसलिए लिपि ज्ञान को सीमित देश और काल की सीमाओं से मुक्त कर उसे देश–देशांतर में उपलब्ध कराने के लिए एक आवश्यक उपकरण बन जाती है। इस तरह भाषा, ज्ञान और लिपि का आपस में बड़ा गहरा रिश्ता है। छोटे बच्चे को शुरू में लिपि के सहारे भाषा–ज्ञान में प्रवेश कराया जाता है। आज रोमन लिपि का अनेक देशों में प्रचार दिखता है। मूलतरू ग्रीक भाषा की लिपि रोमन थी जो यूरोप, अफ्रीका और एशिया के कुछ देशों की भाषाओं की लिपि बन गई। ऐसा मुख्यतरू अंग्रेजी उपनिवेश वाले देशों में हुआ। मध्य एशिया के देशों में अरबी लिपि आगे बढ़ी। भारत में ब्राह्मी लिपि से देवनागरी लिपि का जन्म हुआ। इस लिपि में व्यापक समुदाय की ध्वनियों का प्रतिनिधित्व करने के साथ–साथ लिखने, पढ़ने और उच्चारण की सामर्थ्य है, फिर भी समय–समय पर रोमन लिपि के वर्चस्व को देख कर यह प्रस्ताव किया जाता रहा है कि हिंदी को आगे बढ़ाने के लिए उसे रोमन लिपि में लिखा जाए। हिंदी भाषा स्वभावतरू श्देवनागरीश लिपि में निबद्ध है। इस लिपि में स्वर और व्यंजन के बीच स्पष्ट अंतर है जो रोमन लिपि में नहीं पाया जाता। निरूसंदेह देवनागरी रोमन की तुलना में अधिक वैज्ञानिक है। हिंदी का ककहरा देवनागरी लिपि में सीखा जाता है। इसमें 11 स्वर और 35 व्यंजन हैं। प्रत्येक स्वर के लिए बारह खड़ी की एक निश्चित मात्र है। व्यंजनों को कंठ से उद्भुत होने वाले और ऐसे ही दन्त्य, तालव्य, मूर्धन्य, ओष्ठ्य जैसे वगरें में रखा गया है। हर एक वर्ग में पांच–पांच व्यंजन हैं। आठवीं और नौवीं सदी में नागरी लिपि का प्रचलन मिलने का इतिहास है और हमारे संविधान ने इसे राजभाषा हिंदी की अधिकारिक लिपि का दर्जा भी दिया है। बीसवीं सदी के आरंभ में अनेक प्रबुद्ध भारतीयों ने देश की एकता के लिए एक लिपि अपनाने पर जोर दिया था। इनमें दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, शारदा चरण मित्र आदि का नाम प्रमुख है। विनोबा भावे ने अपने व्यापक अध्ययन से देवनागरी को भारतीय बोलियों की ध्वनियों के लिए वैज्ञानिक माना। एक ध्वन्यात्मक लिपि के रूप में यह अद्वितीय है। इसमें हर वर्ण एक अक्षर व्यक्त करता है। चूंकि प्रत्येक वर्ण लेखन की इकाई होता है, उसे लेखिम भी कहते हैं। उसका एक निश्चित स्वनिक नियम भी होता है। इसका लाभ यह है कि सही उच्चारण जान लेने वाला उसे सही ढंग से लिख सकता है। लिखने और बोलने की समतुल्यता अद्भुत है। इसमें एक ध्वनि के लिए एक ही चिह्न है परंतु रोमन लिपि में यह सुविधा नहीं है। वहां ङ्घ का उच्चारण श्कश की ध्वनि के लिए (जैसे– कैट, काइट) और श्सश की ध्वनि (जैसे सेरेमनी, सिनेमा) दोनों के लिए किया जाता है। अतरू रोमन में एक वर्ण एक स्वनिक का नियम लागू नहीं होता। अतरू लिखे शब्द को जाने बिना शुद्ध उच्चारण असंभव हो जाता है। कट और पुट में यू की ध्वनि अलग है। कुछ ध्वनियां उच्चारित ही नहीं होतीं (जैसे– कैच, हाफ, बजट)।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो रोमन और देवनागरी की भी भिन्नता उल्लेखनीय है। यह भी स्मरणीय है कि रोमन में मात्र 26 वर्ण हैं जबकि देवनागरी में इसके दुगुने। मात्र भी बड़े स्पष्ट ढंग से लगती है। ह्रस्व दीर्घ का भेद स्पष्ट है। उच्चारण स्थान के आधार पर वर्गीकरण इसकी अपनी विशेषता है और उसी के आधार पर ही ध्वनियां वर्गीकृत हैं। संत विनोबा भावे ने इसे गुणवत्ता के आधार पर श्विश्वनागरीश कहा था। लिप्यांतरण और प्रतिलेखन के लिए भी देवनागरी सर्वथा उचित है। गुणवता की दृष्टि से नागरी अधिक समृद्ध है। यह बात देश–विदेश के अनेक विद्वानों ने स्वीकार की है। इसमें मात्रओं, अनुस्वार, विसर्ग, हल, अनुनासिकता के स्पष्ट चिह्न दिए गए हैं। यह भी उल्लेख्य है कि संस्कृत, मराठी, डोगरी, मैथिली, बोडो और नेपाली की भी यही लिपि है। प्रामाणिकता और स्पष्टता के कारण देवनागरी किसी भी भाषा की ध्वनियों को व्यक्त करने में समर्थ है।1आज देवनागरी की कम्प्यूटर के लिए उपयुक्तता साबित हो रही है। इंटरनेट, लैपटाप, टेबलेट तथा मोबाइल में इसका उपयोग बढ़ रहा है। याहू, गूगल और एमएसएन सब हिंदी में हैं। सूचना, व्यापार और मनोरंजन की दुनिया में इसका प्रवेश हो रहा है। भाषा का लिखित रूप हमें एक नई सृजनात्मक दुनिया का मार्ग खोलती है। आक्षरिकता के कारण देवनागरी शब्दों को कम समय और स्थान में लिख लेना संभव बनाती है। इसकी शिरोरेखा की व्यवस्था भी इसे एक विशेष रूप देती है। इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों के विकास के साथ हिंदी अनेक दृष्टियों से प्रभावी हो रही है। हिंदी का होना नागरी के साथ अभिन्न रूप से जुड़ा है। अतरू हिंदी देवनागरी में ही जीवित रह सकेगी, फूलेगी–फलेगी।

कांग्रेस का बुनियादी संकट

> संभवतरू १९७७ के बाद यह दूसरा अवसर है जब कांग्रेस के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हुआ है। कांग्रेस १९७७ में सत्ता खोने के बावजूद १९८० में पुनरू सत्ता में लौट आई तो सिर्फ इसलिए नहीं कि जनता पार्टी स्वार्थी के टकराव में जनता के मन से उतर गई थी, बल्कि इसलिए भी कि उसे संजय गांधी के रूप में एक जुझारू नेता मिला था। कांग्रेस के पास इंदिरा गांधी जैसा व्यक्तित्व भी था, जो पार्टी के आंतरिक संघर्ष से जूझती हुई शीर्ष पर पहुंची थीं। १९७७ के निर्वाचन के समय तमाम कांग्रेसी नेता पार्टी छोड़ गए थे और निर्वाचन के बाद फिर पार्टी का विभाजन हुआ, लेकिन न तो इंदिरा गांधी हताश हुईं और न संजय गांधी ने संघर्ष को विराम दिया। पिछले एक दशक यानी संप्रग के शासनकाल में जो कांग्रेसी थे वे आज भी कांग्रेसी ही हैं। १९७७ के समान किसी भी बड़े कांग्रेसी नेता ने पार्टी नहीं छोड़ी है। यह ठीक है कि १९७७ में बहुमत खोने के बावजूद कांग्रेस के डेढ़ सौ के लगभग सदस्य लोकसभा में थे, जबकि आज उसके पास केवल ४४ सदस्य ही हैं।

किताब रेड साड़ी की भारत में बिक्री की चर्चा से एक बार फिर कांग्रेस सकते में आ गई है। एक स्पेनिश लेखक ने कांग्रेस की वर्तमान अध्यक्ष सोनिया गांधी के प्रारंभिक जीवन का चित्रण इस पुस्तक में किया है। वैसे तो सभी लोग इसके बारे में पहले से परिचित हैं, लेकिन इस समय कांग्रेस जिस तरह सबसे कठिन दौर से गुजर रही है उसे देखते हुए सोनिया गांधी के बारे में कोई भी खुलासा और भी पीड़ादायक हो सकता है। इसका मुख्य कारण है पार्टी में संघर्षशीलता का न होना। संभवतरू 1977 के बाद यह दूसरा अवसर है जब कांग्रेस के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हुआ है। कांग्रेस 1977 में सत्ता खोने के बावजूद 1980 में पुनरू सत्ता में लौट आई तो सिर्फ इसलिए नहीं कि जनता पार्टी स्वार्थ के टकराव में जनता के मन से उतर गई थी, बल्कि इसलिए भी कि उसे संजय गांधी के रूप में एक जुझारू नेता मिला था। कांग्रेस के पास इंदिरा गांधी जैसा व्यक्तित्व भी था, जो पार्टी के आंतरिक संघर्ष से जूझती हुई शीर्ष पर पहुंची थीं। 1977 के निर्वाचन के समय तमाम कांग्रेसी नेता पार्टी छोड़ गए थे और निर्वाचन के बाद फिर पार्टी का विभाजन हुआ, लेकिन न तो इंदिरा गांधी हताश हुईं और न संजय गांधी ने संघर्ष को विराम दिया। पिछले एक दशक यानी संप्रग के शासनकाल में जो कांग्रेसी थे वे आज भी कांग्रेसी ही हैं। 1977 के समान किसी भी बड़े कांग्रेसी नेता ने पार्टी नहीं छोड़ी है। यह ठीक है कि 1977 में बहुमत खोने के बावजूद कांग्रेस के डेढ़ सौ के लगभग सदस्य लोकसभा में थे, जबकि आज उसके पास केवल 44 सदस्य ही हैं। उस समय पश्चिम और दक्षिण भारत के राज्यों में उसकी सत्ता थी, आज भी लगभग उतने ही राज्यों में उसकी सत्ता है। अंतर यदि है तो नेतृत्व क्षमता का। तमाम बड़े नेताओं के पार्टी से किनारा कर लेने के बावजूद संजय गांधी ने 1980 के निर्वाचन में कांग्रेस को पुनरू स्थापित कर देने के लिए तीन वर्ष तक जो संघर्ष किया और जनता पार्टी में महत्वाकांक्षाओं के टकराव से बिखराव का लाभ उठाया उसकी पुनरावृत्ति क्या आज कांग्रेस का नेतृत्व कर सकता है?

संजय गांधी ने भरपूर सत्ता सुख उठाने वाले परंपरागत कांग्रेसियों पर भरोसा करने के बजाय किसी मोर्चे पर संघर्ष के लिए कूद पड़ने वालों की टोली को लेकर देशभर में हल्ला बोला था। इंदिरा गांधी ने इस टोली में शामिल सभी को स्नेह प्रदान किया था। यह वह समय था जब श्रेड साड़ीश के अनुसार सोनिया गांधी राजीव गांधी को इटली चलकर बस जाने के लिए राजी करना चाहती थीं। संजय गांधी के संघर्ष में उनकी पत्ध्नी मेनका गांधी की बराबर की सहभागिता थी, जो अपनी पत्रिका के माध्यम से जनता पार्टी के नेताओं पर सवाल उठाती रहीं। सोनिया गांधी ने राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने तक भारत की नागरिकता नहीं स्वीकार की थी। संजय गांधी की दुर्घटना में मृत्यु के कारण इंदिरा गांधी ने राजीव गांधी को अपना उत्तराधिकारी बनाया।

1984 के चुनाव में राजीव गांधी को सहानुभूति का लाभ मिला, लेकिन वह स्थायी नहीं साबित हुआ। इसका भी संकेत श्रेड साड़ीश में दिया गया है। संजय गांधी ने 1977 में आपात स्थिति लागू होने के बाद अतिक्रमण हटाओ, पर्यावरण बचाओ और आबादी घटाओ का तीन सूत्री कार्यक्रम चलाया था। आबादी घटाओ और अतिक्रमण हटाओ का दुष्परिणाम 1977 के चुनाव में जरूर हुआ, लेकिन इन कार्यक्रमों के औचित्य पर आज भी कोई प्रश्नचिन्ह नहीं लगा सकता। वर्तमान कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिए जो मंथन चल रहा है उसमें एक पक्ष खुलकर राहुल गांधी को पूर्ण अधिकार दिए जाने की वकालत कर रहा है। उसका मानना है कि जो प्रयोग राहुल गांधी ने युवक कांग्रेस में किया है उसे कांग्रेस के लिए भी अपनाना चाहिए। क्या राहुल गांधी को पूर्ण अधिकार प्राप्त नहीं है? जैसा अधिकार संजय गांधी को इंदिरा गांधी ने दिया था उससे अधिक सोनिया गांधी ने राहुल को दे रखा है। जो लोग राहुल गांधी को नेतृत्व सौंपने के विरोधी भी हैं वे मौन हैं। स्पष्ट है कि कांग्रेस में राहुल गांधी का वह विरोध भी नहीं है जो संजय गांधी का था। फिर राहुल गांधी क्यों कांग्रेस में नई जान फूंकने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं? इसका कारण है परवरिश की वह परिस्थिति जिसने राहुल गांधी को आत्मविश्वासयुक्त और संकल्प का धनी नहीं बनने दिया। बदले राजनीतिक परिवेश में कांग्रेस को लीक अर्थात परिवार की भक्ति से हटना पड़ेगा। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का दावा है कि वे पार्टी का सुधार नीचे से प्राप्त फीडबैक के आधार पर करना चाहती हैं, लेकिन लीक से हटने के वह संकेत तक नहीं दे रही हैं।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटें हैं, लेकिन सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने रायबरेली और अमेठी के अलावा प्रदेश का न तो कभी संज्ञान लिया और न अब ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश का मामला यह भी साबित करता है कि कांग्रेसजनों को एकजुट रखने का एकमात्र उपाय पदों का उपहार बांटना रह गया है। जो संगठन आत्मचिंतन करने की क्षमता खो देता है, उसका पुनरुद्धार संभव नहीं होता। कांग्रेस की स्थिति में गिरावट पर सबसे सटीक और समीक्षात्मक प्रतिवेदन एके एंटनी ने तैयार किया था, जो कूड़ेदान में फेंक दिया गया। कांग्रेस की केंद्र और राज्यों की सरकारें भ्रष्टाचार के कारण ही अपदस्थ हुई हैं। कांग्रेस अभी इस मामले में सीख लेने के लिए तैयार नहीं नजर आती। विचित्र है कि कांग्रेस को बचाव के लिए आत्क्रामक होने की रणनीति अपनाना भी नहीं आता। कांग्रेस नेतृत्वविहीन तो हो ही गई है, उसने कैडर से सच कहने का साहस भी खो दिया है। ऐसे में उसका पुनरुद्धार असंभव है। भले ही उसने संजय गांधी को अपने नेताओं की सूची से दरकिनार कर दिया हो, क्योंकि उनकी पत्ध्नी और पुत्र, दोनों ही भाजपा में हैं, लेकिन उसे अपनी खोई हुई जमीन हासिल करने के लिए संजय गांधी जैसा जुझारू नेतृत्व तलाश करना ही होगा।

गिली गिली छू...

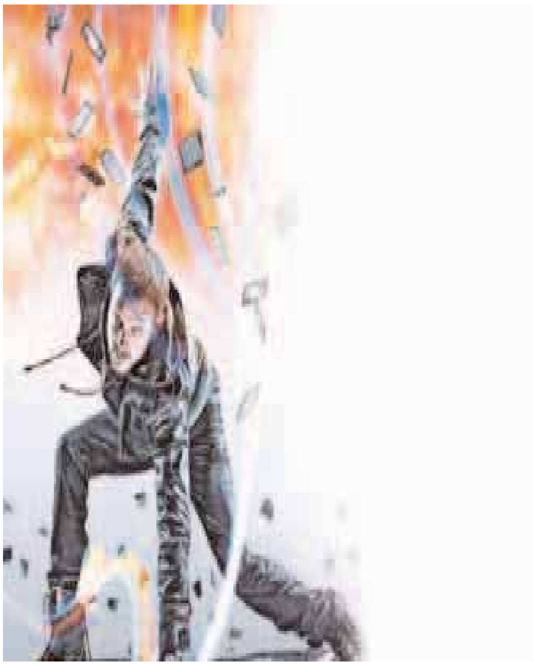

किस्से–कहानियों में तुमने तरह–तरह के जादुई चमत्कार करने वाले जादूगरों के बारे में जरूर पढ़ा होगा। जादू और जादूगर तब भी थे और अब भी हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि आज का जादू किसी चमत्कार से नहीं, बल्कि हाथों की सफाई से किया जाता है। डबल डेकर बस की ऊंची छत को शायद कोई व्यक्ति न छू सके। पर डायनमो एक दिन लंदन की सड़क पर चल रहे थे और अचानक हवा में उड़कर बस की छत से लंबा लटक गए। फिर उसी तरह वह कई स्टॉप आगे पहुंचे। रास्ते में लोग इस हैरतअंगेज कारनामे को कैमरे में कैद कर रहे थे।

डायनमो

1982 में ब्रिटेन में जन्मे स्टीवन फ्रेन यानी डायनमो इन दिनों जादू की दुनिया का सबसे चमकदार सितारा है। इनकी खासियत है कि ये सड़क पर आम लोगों के साथ बड़े ही शांत तरीके से चलते हुए कुछ जादू दिखा देते हैं। राह चलते लोगों को चौंकाना उन्हें पसंद है। डायनमो की लो. कप्रियता का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि उनके नाम से जो टीवी शो अभी प्रसारित हो रहा है, उसकी टीआरपी काफी हाई है यानी उसको देखने वाले भी कम नहीं हैं। इस शो में उनके लाइव जादू को दिखाया जाता है। कार्ड से ट्रिक्स दिखाना तो मानो उनके बाएं हाथ का खेल है। लोग उन्हें 'डायनमो–मेजिशियन इंपॉसिबल' कहते हैं। तुम उनके जादू भरे कारनामे यू–ट्यूब पर देख सकते हो। अब तक डायनमो के जो जादू उन्हें विश्वविख्यात बना चुके हैं, उनमें से कुछ इस तरह हैं–

बोतल में फोन

डायनमो मोबाइल फोन को पारदर्शी बोतल में डाल सकते हैं। मजेदार बात ये कि फोन बोतल के अंदर भी बजता है। यही नहीं, शीशे के गिलास को टेढ़ा कर देना, सिक्के को हाथ से मोड़ देना उनकी पसंदीदा ट्रिक्स हैं। कार्ड मैजिक में तो उनका कोई सानी नहीं है।

पानी को जमा दिया

एक पार्टी में डायनमो ने फव्वारे को हाथ से छूकर बर्फ में तब्दील कर दिया। बहता पानी भी बर्फ बन चुका था। फिर उन्होंने पानी की बोतल लेकर उसे हिलाया और उसके अंदर का पानी भी जमा दिया।

हवा में उड़ना

रियो डि जिनेरो में जीसस के विशाल स्टेच्यू के सामने फोटो खिंचवाते लोगों के बीच डायनमो पहुंचे और एक महिला से अपनी फोटो खींचने का आग्रह किया। जैसे ही महिला ने कैमरा क्लिक करने का प्रयास किया, डायनमो अचानक हवा में उड़ने लगे। वहां उपस्थित लोग यह देख हैरत में पड़ गए।

नदी पर चले

जिस जादू की चर्चा पूरे विश्व में हुई, वह था डायनमो का लंदन की नदी थेम्स पर चलना। तुम्हें पढ़कर हैरानी हो रही होगी, पर ये सच है कि डायनमो चुपचाप नदी के किनारे पहुंचे और उस पर चलने लगे। वह चलते–चलते नदी के बीचोंबीच पहुंच गए। फिर सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें बाहर किया।

दुनिया के मशहूर जादूगर

डेविड अमेरिका के न्यूयॉर्क में जन्मे और पिछले दशक के लोकप्रिय जादूगरों में से एक रहे हैं। जब वे चार साल के थे तो उन्होंने एक सब–वे में जाद. ूगरी करते एक व्यक्ति को देखा। तभी से डेविड ने सोच लिया था कि वह बड़े होकर महान जादूगर बनेंगे। उन्होंने यह कर दिखाया। डेविड खुद को कई बार कैद करने के लिए जाने जाते हैं। एक बार वे 6 टन बर्फ से भरे बॉक्स में बंद हो गए और 3 दिन बाद उसमें से सकुशल बाहर निकले। 2003 में थेम्स नदी के ऊपर एक शीशे के बॉक्स में वे 44 दिन तक बंद रहे।

डेविड कॉपरफील्ड

डेविड कॉपरफील्ड का जन्म अमेरिका में 1956 में हुआ। फोर्ब्स पत्रिका ने अपने एक अंक में उन्हें सबसे अमीर जादूगरों की लिस्ट में शामिल किया था। कॉपरफील्ड काफी अधिक लोकप्रिय रहे हैं। वे कहानी सुनाते–सुनाते जादू दिखाते हैं। पिछले 30 साल से जादू दिखाते हुए उन्होंने 11 गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस भी बनाए। कॉपरफील्ड के जो जादू दुनिया भर में चर्चा का विषय बने, वे थे स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी को गायब कर देना और ग्रेट वॉल ऑफ चाइना पर चलना।

क्रिस एंजल

क्रिस एंजल का जन्म अमेरिका में 1967 में हुआ। क्रिस के कई टीवी शो अमेरिका में सुपरहिट रहे। इसमें 'क्रिस एंजल माइंडफ्रीक', 'क्रिस एंजल बिलीव' मुख्य हैं। 2010 में इंटरनेशनल मेजिशियंस सोसायटी ने उन्हें मेजिशियन ऑफ द सेंचुरी का खिताब भी दिया। एंजल काफी अच्छे गायक भी हैं और उनकी पांच एलबम्स भी रिलीज हुई हैं। क्रिस एंजल को सबसे स्टाइलिश जादूगर भी कहा जाता है। लंबे बाल, सफेद–काले कपडमें का कॉम्बिनेशन और फंकी ज्वेलरी उनकी पहचान रही है। उन्हें अमूमन हर साल ही कोई न कोई अवॉर्ड मिला है। एंजल के वॉक ऑन वॉटर लिंक को यू–ट्यूब पर 46 मिलियन से अधिक व्यू मिले थे।

ये थे भारतीय जादूगर

भारतीय जादूगरों के इतिहास में पी.सी. सरकार और के. लाल के नाम प्रमुख हैं। दोनों को राष्ट्रीय–अतंरराष्ट्रीय स्तर पर खूब प्रशंसा मिली। इनका जन्म 1913 में हुआ था। इनका जादू का शो 'इंद्रजाल' काफी लोकप्रिय हुआ करता था। सरकार 1930 में चर्चा में आए, जब उन्होंने कोलकाता और जापान में शो करने आरंभ किए। लोगों ने उनका लड़की को हवा में लटका देने का जादू काफी ज्यादा पसंद किया। सरकार का 6 जनवरी 1971 में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।

कांतिलाल गिरधारीलाल वोरा का जन्म 1924 में हुआ था। उन्हें के. लाल और भौमिक गुप्ता के नाम से भी जाना जाता रहा है। 62 साल के अपने करियर में उन्होंने पूरी दुनिया में घूमकर 22,000 से अधिक शो किए। अपना अंतिम शो उन्होंने जुलाई 2012 में किया। इसी साल 22 सितंबर को उनका देहांत हुआ। वे अपने बेटे के. लाल जूनियर के साथ 32 साल तक शो करते रहे। शरीर से सिर को अलग कर देने के उनके जादू को लोगों ने काफी पसंद किया। रूस के जादूगर कीओ ने कहा था कि उन्होंने के. लाल जैसा शो अपने जीवन में कभी नहीं देखा है।

ऐसे बन सकते हो जादूगर

सबसे पहले तुम्हें दुनिया के मशहूर जादूगरों के बारे में और जानने का प्रयास करना चाहिए। इनके बारे में तमाम जानकारी तुम्हें वेबसाइट व किताबा. ें में मिल जाएगी। ज्यादातर जादूगरों की अपनी वेबसाइट्स हैं, उन्हें सर्च कर सकते हो।

जादू सीखने के लिए तुम्हें जादूगरों द्वारा लिखी गई किताबें पढ़नी चाहिए। कुछ लोकप्रिय किताबें हैं– द टेरबैल कोर्स इन मैजिक वॉल्यूम्स 1–8, बुक्स ऑफ वंडर बॉय टॉमी वंडर, स्ट्रॅान्ग मैजिक बाइ ऑर्टिज, ड्राइंग रूम कंज्यूरिंग बाइ हॉफमैन, द फिट्जकाई ट्रायलॉजी, मार्क विल्सन कंपलीट कोर्स इन मैजिक बाइ विल्सन, द अमेच्योर मैजिशियंस हैंडबुक। इसके बाद अब तुम कुछ डीवीडी और मैजिक वीडियो खरीदो, जिनमें तुम्हें विशेषज्ञ जादू के गुर खुद सिखाएंगे। अब इन ट्रिक्स की प्रैक्टिस करो और इनमें कुछ नया प्रयोग करने की कोशिश करो।

मिल गई परी

एक लकड़हारा अपनी पत्नी और नेत्रहीन मां के साथ एक जंगल के पास झोपड़ी बनाकर रहता था। उसकी कोई संतान नहीं थी और वह काफी गरीब भी था। हालांकि वो कभी भी किसी भी चीज के लिए भगवान से शिकायत नहीं करता था। वह लकड़ी काटकर और उन्हें बाजार में बेचकर अपना गुजारा किया करता था। रोज की तरह एक दिन वह लकड़ी काटकर बाजार की ओर जा रहा था। उसके पास काफी अधिक लकडियां थीं, इसलिए वह धीरे–धीरे चल रहा था। एक झाड़ी के पास से गुजरते हुए उसने घायल चिडिया को देखा। उसको देखकर वह काफी दुखी हुआ और उसे हाथ में उठाकर देखने लगा कि वह जीवित है या नहीं। उसे यह देखकर काफी खुशी हुई कि चिडिया की सांस तो अभी भी चल रही थी। वो भागता हुआ तालाब के पास गया और चिडिया की चोंच में पानी की कुछ बूंदें डालीं।

लकड़हारे ने सोचा कि अगर उसने घायल चिडिया को वहीं छोड़ दिया, तो उसे कोई दूसरा जानवर खा जाएगा। इसलिए उसने उस चिडिया को घर ले जाने का फैसला किया। घर ले जाकर उसने उस चिडिया के बारे में मां और पत्नी को बताया। दोनों उसकी हालत देखकर काफी दुखी हुईं और उन्होंने उसके लिए घर का एक कोना चुना, जहां वह चिडिया आराम से सो गई। उस पूरी रात वह लकड़हारा बार–बार जागकर चिडिया की हालत देखता रहा और उसे पानी पिलाता रहा। सुबह होने से पहले ही उसने चिडिया की आवाज सुनी और खुश होकर उसने उस जगह को देखा, जहां उसे रखा था। लेकिन उस स्थान पर चिडिया तो थी ही नहीं। उसने जल्दी से पूरी झोंपड़ी को छान मारा, पर चिडिया तो कहीं भी नहीं दिख रही थी। उसकी चहचहाने की आवाज सुनाई दे रही थी। वह घर से बाहर आ गया। अचानक उसने देखा कि उसके पैरों के पास चिडिया है और अचानक उसका आकार काफी तेजी से बढ़ रहा है। यह देखकर लकड़हारा डर गया, लेकिन तभी वह चिडिया एक परी बन गई। यह देखकर हैरान लकड़हारा कुछ बोल पाता, उससे पहले ही परी बोली, 'दोस्त, मेरा जीवन बचाने के लिए धन्यवाद। मुझे पता है कि तुम्हें अपनी आंखों पर भरोसा नहीं हो पा रहा है। पर यह सच है कि मैं एक परी हूं और इस लोक में एक चिडिया के रूप में घूमती रहती हूं। कल भी जब मैं उड़ रही थी तो अचानक एक बाज ने मुझ पर हमला कर दिया और मैं घायल हो गई। मैंने बचना चाहा, पर मैं नीचे गिर गई और तुमने मुझे आकर बचाया। इसलिए अब मैं तुम्हें कुछ तोहफा देना चाहती हूं। बताओ, तुम्हारी क्या इच्छा है?'

यह सुनकर लकड़हारा कुछ देर सोचता रहा और परी से बोला, 'मुझे एक रात का समय सोचने के लिए दिया जाए।' परी इस बात पर सहमत हो गई और लकड़हारा घर लौट आया। लौटकर उसने पत्नी और मां को सारी बात कह सुनाई। यह सुनकर उसकी मां बोली, 'बेटा, परी से कहो कि मेरा अंधापन दूर कर दे।' पत्नी बोली, 'आप हमारे लिए बच्चों का वरदान मांग लीजिए।' जबकि लकड़हारा यह चाहता था कि वो परी से मांग करके अपनी गरीबी को दूर कर दे। अब तो एक के बजाय तीन इच्छाएं थीं, लेकिन परी तो इनमें से एक ही पूरी कर सकती थी। पूरी रात लकड़हारा सोचता रहा कि वह आखिर क्या करे। सुबह हुई तो उसे एक विचार सूझा। वह भागकर जंगल में गया और उसे वहां परी खड़ी दिखी। जब परी ने उससे उसकी इच्छा के बारे में पूछा तो उसने कहा, 'मेरी मां की इच्छा है कि वो अपने पोते–पोतियों को संपन्नता में खेलते हुए देखे।' परी लकड़हारे की चतुराई देखकर काफी खुश हुई और उसने उसकी इच्छा को पूरा कर दिया। कुछ समय बाद वह लकड़हारा सफल व्यवसायी बन गया, जो अपने आलीशान घर में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। उसकी मां अपने पोते–पोतियों को खेलते देखकर खुशी से फूली न समाती थी। तो इस तरह अपनी सोच के बल पर लकड़हारा अपनी तीनों इच्छाओं को पूरा कराने में कामयाब रहा।

मॉक टेस्ट से राह करें आसान

वर्तमान समय में समाज में कंप्यूटर क्रांति की वजह से साइबर अपराधों सहित विभिन्न प्रकार के अपराधों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इसलिए इनके नियंत्रण के लिए बनने वाले कानूनों की जानक. ारी रखने वाले पेशेवर वकीलों की मांग भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। इसके अलावा साइबर कानून, साइबर न्यायालय आदि बनाए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों से देश के लीगल सिस्टम में कई बदलाव हुए हैं। कई यूनिवर्सिटीज एवं नेशनल लॉ स्कूल मिल कर इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। भारत के पाठ्यक्रमों की मान्यता विदेशों में भी है। बस वहां के लोकल लॉ का अध्ययन आवश्यक हो जाता है। इस क्षेत्र में तीन व पांच वर्षीय एलएलबी तथा दो वर्षीय एलएलएम कोर्स को मान्यत प्राप्त है। इसके लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट की व्यवस्था की गई है, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) नाम दिया गया है। इस पैनल में देश की नामी–गिरामी 16 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी शामिल हैं। इस बार परीक्षा कराने का जिम्मा डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ के ऊपर है। इसमें आवेदन शुरू हो चुका है। आवेदन प्रक्रिया व परीक्षा ऑनलाइन है।

कब दे सकते हैं परीक्षा

क्लैट का आयोजन एलएलबी कोर्स के लिए होता है। अंडरग्रेजुएट कोर्स (पांच वर्षीय) की प्रवेश परीक्षा के लिए उम्मीदवार के लिए बारहवीं की परीक्षा 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। बारहवीं की परीक्षा में बैठने वाले छात्र भी इसमें सम्मिलित हो सकते हैं, लेकिन उन्हें एक निश्चित तिथि तक संबंधित योग्यता का प्रमाण पत्र जमा कराना होगा। एससीध्एसटी के लिए अंक एवं आयु–सीमा में छूट का प्रावधान है।

कई भागों में बंटी है परीक्षा

क्लैट में उम्मीदवार को पांच विषयों से होकर गुजरना पड़ता है। इसमें कुल 200 प्रश्न पूछे जाते हैं तथा उनके लिए अधिकतम 200 अंक निर्धारित हैं यानी प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक। प्रश्नों का स्वरूप बहुविकल्पीय होता है। इन प्रश्नों का उत्तर उम्मीदवार को दो घंटे में देना होता है।

इंग्लिश कॉम्प्रिहेंशन

इस सेक्शन में उम्मीदवार की अंग्रेजी की क्षमता का आकलन किया जाता है। प्रश्न पैसेज व ग्रामर पर आधारित होते हैं। ग्रामर सेक्शन सही–गलत वाक्य, खाली स्थान भरने पर आधारित होते हैं। पैसेज पढम्ते समय ही प्रश्नों के जवाब टिक करते जाएं।

जनरल नॉलेजकरेंट अफेयर्स

इस भाग के लिए उम्मीदवार देश–विदेश व नवीन घटनाओं से खुद को अपडेट रखें, खासकर न्यायिक क्षेत्र की हलचलों पर नजर रखें। प्रतिदिन न्यूज पेपर व मैगजीन पढें। कोशिश करें कि महत्वपूर्ण घटनाओं को एक जगह नोट कर लें।

मैथमेटिक्स

इसमें उम्मीदवारों से प्रारम्भिक गणित के प्रश्न पूछे जाते हैं। ये प्रश्न दसवीं स्तर के होते हैं, जिनमें लाभ–हानि, प्रतिशत, समय–दूरी, औसत, सांख्यिकी, ज्यामिति आदि प्रश्न शामिल होते हैं। इनका जवाब दे पाना तभी संभव होता है, जब उम्मीदवार निरंतर अभ्यास करें।

लीगल एप्टीट्यूड

इस खंड का आशय उम्मीदवार की लॉ के प्रति रुचि, रिसर्च एप्टीटयूड, समस्या निर्धारण, लीगल प्रिंसिपल, प्रमुख धाराओं आदि से संबंधित ज्ञान परखना है। कुछ प्रमुख चर्चित मामलों से संबंधित प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं। इसके लिए अध्ययन की विशेष दरकार होती है।

लॉजिकल रीजनिंग

यह सेक्शन उम्मीदवार के प्रेजेंस ऑफ माइंड पर फोकस करता है। लॉजिकल रीजनिंग के सेक्शन में कई तरह की वैरायटी से संबंधित प्रश्न होते हैं, मसलन सिलोजिम्स, लॉजिकल सीक्वेंस, एनालॉगीज आदि।

नेगेटिव मार्किंग से सावधान

इस परीक्षा में गलत उत्तर दिए जाने पर नेगेटिव मार्किंग का प्रावधान है। एक गलत उत्तर देने पर एक–चौथाई अंक काट लिए जाएंगे, इसलिए प्रश्नों का उत्तर देते समय छात्र विशेष सावधानी बरतें। जिन प्रश्नों को लेकर संदेह की स्थिति है, उन्हें छोड़ कर आगे बढ़ जाएं। बाद में समय मिलने पर इन्हें एक बार देख लें।

धमकी के बाद करीना ने बढ़ाई अपनी सिक्योरिटी

लव जेहाद को लेकर एक धार्मिक संगठन के निशाने पर आने के करीब दो सप्ताह बाद, करीना कपूर खान ने अपनी निजी सुरक्षा बढ़ा दी है। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने अपने बांद्रा स्थित बंगले में टाइट सिक्योरिटी के अलावा दो बॉडीगार्ड्स हायर किए हैं। सूत्रों ने बताया श्लव जेहाद की बहस के साथ करीना अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित है।श एक्ट्रेस के एक अन्य करीबी सूत्र के मुताबिक बॉडीगार्ड सावधानी को ध्यान में रखते हुए हायर किए गए हैं लेकिन उन्हें बहुत ज्यादा सुरक्षा को लेकर डर नहीं है। दो सप्ताह पहले हिमाचल प्रदेश विहिप के मुखपत्र हिमालय ध्वनि के संपादकीय में लव जेहाद और धर्मांतरण से राष्ट्रांतरण को मुद्दा बनाया गया था। विहिप ने लव जेहाद के खिलाफ अपने मुखपत्र के कवर पेज पर आधे बुर्के में करीना की तस्वीर छापी थी, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया था।

उफ ये अदा

'सावधान इंडिया' में मार्शल आर्ट्स सिखाएंगे अक्षय

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार जल्द दी टेलीविजन धारावाहिक 'सावधान इंडिया–फाइट बैक नाउ' के एक विशेष एपिसोड में मेजबानी करते हुए दिखेंगे। यह एपिसोड महिला सुरक्षा और ईव टीजिंग पर अधारित होगा।

एक बयान के मुता. बिक 'सावधान इंडिया–फाइट बैक नाउ' की इस खास कड़ी में अक्षय एक किशोरी के साथ उसके सहपाठी द्वारा किए गए यौन उत्पीड़न की दास्तां बयां करेंगे।

अक्षय इस कड़ी की मेजबानी स्वयं के आत्मरक्षा केंद्र से करेंगे, जहां वह लड़कियों को मार्शल आर्ट व आत्मरक्षा के गुर सिखाते हैं। वैसे असल जिंदगी में भी अक्षय कुमार हमेशा लड़कियों को मार्शल आर्ट व आत्मरक्षा के गुर सिखने के लिए जागरूक करते रहते हैं।

'सावधान इंडिया–फाइट बैक नाउ' की यह कड़ी शुक्रवार को लाइफ ओके चौनल पर प्रसारित होगी।

अक्षय कुमार आजकल अपनी फिल्मी 'बेबी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जो आतंकवाद पर आधारित है। उनकी यह फिल्म शुक्रवार 23 जनवरी को सिनेमा घरों में प्रदर्शित होगी।

दीवार ने पूरे किए 40 साल, बिग बी ने सलीम–जावेद को कहा शुक्रिया

अमिताभ बच्चन स्टारर 1975 की सुपरहिट फिल्म श्दीवारश ने बुधवार को 40 साल पूरे कर लिए और बिग बी ने फिल्म की श्परफेक्ट स्क्रिप्ट के लिएश इसके स्क्रिप्टराइटर्स सलीम खान और जावेद अख्तर को इस मौके पर शुक्रिया कहा।इस फिल्म के बाद ही अमिताभ बॉलीवुड के श्एंग्री यंग मैनश बतौर उभर कर सामने आए थे। यह कहानी दो भाइयों की थी।

बच्चन ने ट्वीट किया श40 साल! 40 साल पहले इस दिन दीवार रिलीज हुई थी! 21 जनवरी, 1975... सलीम–जावेद साहब को सबसे परफेक्ट स्क्रिप्ट के लिए शुक्रिया!श

फिल्म का निर्देशन यश चोपड़ा ने किया था जो कि बाद में श्किंग ऑफ रोमांसश के नाम से मशहूर हुए।

इस फिल्म में शशि कपूर, परवीन बॉबी और नीतू कपूर भी थे। फिल्म के कुछ डायलॉग्स काफी लोकप्रिय हुए, जिसमें श्मेरे पास मां हैश, श्उफ तुम्हारे उसूल, तुम्हारे आदर्शश शामिल हैं।श

14 सालों के बाद फिर से साथ काम करेंगे मनोज बाजपेयी और हंसल मेहता

हंसल मेहता और मनोज बाजपेयी की दोस्ती बहुत पुरानी है। बीच में कुछ ऐसा संयोग बना कि दोनों ने साथ काम नहीं किया। इस बीच दोनों अपने–अपने तरीके से संघर्ष करने के साथ उपलब्धियां भी हासिल करते रहे। दोनों ने श्दिल पे मत ले यारश में एक साथ काम किया था। 14 सालों के बाद वे फिर से एक फिल्म करने जा रहे हैं। मनोज बताते हैं, श्मुंबई में हंसल पहले व्यक्ति थे, जिनसे मैं काम मांगने गाया था। श्सत्याश के सफल होने पर मुझे पहचान मिली तो हम दोनों ने साथ काम करने का फैसला किया। तब श्दिल पे मत ले यारश की योजना बनी। इस फिल्म में मेरे साथ तब्बू भी थीं। फिल्म नहीं चली। हम दोनों कुछ नया करने की साच में रहे। एक दौर ऐसा भी आया कि हमारे बीच मनमुटाव हुआ और हम दोनों अलग हो गए। हमारी बातचीत भी बंद हो गई।

हंसल अलग मिजाज की फिल्में बनाने लगे। मुझे खुशी है कि श्शाहिदश से वे अपनी जमीन पर लौटे हैं। हमारे संबंध फिर से कायम हुए और उन्होंने अपनी नई फिल्म का प्रस्ताव मेरे सामने रखा। इस फिल्म में मुझे अपना रोल चुनौतीपूर्ण लगा, इसलिए मैंने हां कर दी।श

हंसल मेहता की नई फिल्म का अभी कोई नाम नहीं रखा गया है। यह एक गे प्रोफेसर की कहानी है। जिसे किसी वजह से सस्पेंड कर दिया जाता है। गे होने के कारण रिटायरमेंट से पहले उसकी मुश्किलें बढ़ीं। उस प्रोफेसर के संघर्ष के सभी पहलुओं का फिल्म में चित्रण है। उस प्रोफेसर का सच जानने के लिए एक रिपोर्टर उसके पीछे लग जाता है।

इस अनाम फिल्म में मनोज बाजपेयी गे प्रोफेसर की भूमिका निभा रहे हैं और रिपोर्ट बन रहे हैं राजकुमार राव। अपनी अगली फिल्म को लेकर उत्साहित हंसल मेहता बताते हैं,श्मनोज बाजपेयी मेरी पहली फिल्म के हीरो थे। राजकुमार राव मेरी दूसरी पारी की पहली फिल्म के अभिनेता रहे। इस बार मैं उन दोनों के साथ काम कर रहा हूं। मुझे इससे बेहतर मौका क्या मिलेगा? सालों बाद फिल्म के सिलसिले में मनोज से मुलाकात. हुईं। उनमें वही उत्साह है। वे अपने किरदार को लेकर पूरी तैयारी कर चुके है। वे तो इतने उतावले हैं कि जल्दी से जल्दी कैमरे के आगे आना चाहते हैं। मुझे अति. रिक्त तैयारी करनी है। पहली बार मैं आउटडोर जा रहा हूं। मेरी फिल्म की पूरी शूटिंग बाहर ही होगी। दोनों स्टारों को संभालना भी है।श

मनोज बाजपेयी इस फिल्म के नए किरदार को लेकर उत्साहित हैं। वे कहते हैं,श्मैंने हमेशा नए किरदारों को ज्यादा तरजीह दी है। पहली बार पर्दे पर गे कैरेक्टर निभाने जा रहा हूं। मेरी पिछली फिल्म श्तेवरश को ही देख लें। उस फिल्म का विलेन एक लवर ब्वॉय है। मैं अपने किरदारों के हर इमोशन को टच करता हूं। निगेटिव किरदारों की इंसानी फितरत पर गौर करता हूं। एक्टर होने के नाते यह हमारा फर्ज बनता है कि हम अपने चरित्रों को किसी कोष्ठक में नहीं डालें। अभी हंसल ने नई चुनौती दी है। मैं तैयार हूं।श

पश्चिमी उत्तरप्रदेश के एक शहर में हंसल मेहता इस फिल्म की शूटिंग करेंगे। आउटडोर शूटिंग में स्टार से मिलने और देखने के लिए उमड़ी भीड़ को संभालना बड़ी जिम्मेदारी होती है। हंसल मेहता कहते हैं,श्मैं इस जिम्मेदारी से वाकिफ हूं। उम्मीद है किसी खलल के बिना मेरी फिल्म की शूटिंग पूरी हो जाएगी। मैं फिलहाल नर्वस महसूस कर रहा हूं।

14 सालों के बाद वे फिर से एक फिल्म करने जा रहे हैं। मनोज बताते हैं, श्मुंबई में हंसल पहले व्यक्ति थे, जिनसे मैं काम मांगने गाया था। श्सत्याश के सफल होने पर मुझे पहचान मिली तो हम दोनों ने साथ काम करने का फैसला किया। तब श्दिल पे मत ले यारश की योजना बनी। इस फिल्म में मेरे साथ तब्बू भी थीं। फिल्म नहीं चली। हम दोनों कुछ नया करने की साच में रहे। एक दौर ऐसा भी आया कि हमारे बीच मनमुटाव हुआ और हम दोनों अलग हो गए। हमारी बातचीत भी बंद हो गई।

218 कट के साथ इस फिल्म ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

100 करोड़ क्लब में जगह बनाने वाली बॉलीवुड की पहली सेक्स कॉमेडी फिल्म श्ग्रैंड मस्तीश को दर्शक जल्द ही टीवी पर देख पाएंगे, लेकिन 218 कट्स के बाद। इससे पहले टीवी पर आने वाली किसी फिल्म पर इतनी कैंची नहीं चली।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के रीजनल ऑफिसर राहुल वैद्य ने नोटिस भेजकर फिल्म के निर्माताओं को 218 कट करने के लिए कहा था। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि फिल्म के निर्माताओं को इन कट्स के बाद फिल्म को दोबारा जमा कराने के लिए कहा गया था और इसी के बाद फिल्म के सर्टिफिकेट पर फैसला होगा।

दिसंबर 2013 में फिल्म के निर्देशक इंद्र कुमार ने अपनी फिल्म को यूए सर्टिफिकेट के साथ पास कराने के लिए आवे. दन किया था, ताकि उसका प्रसारण टीवी पर हो सके। सेंसर बोर्ड के एक सूत्र ने कहा, श्सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि 218 कट्स के बाद फिल्म में देखने के लिए बाकी बचेगा क्या।श

ग्रैंड मस्ती के निर्माताओं का कहना है कि फिल्म से सीन्स डिलीट करने की प्रक्रिया जारी है। वैसे निर्माता पहले ही रितेश देशमुख, विवेक ओबरॉय और आफताब शिवदसानी के साथ इस फिल्म का सीक्वल श्फिर ग्रांड मस्तीश बनाने का एलान कर चुके हैं।

सबसे ज्यादा कट झेलने वाली फिल्में

डर्टी पिक्चररू 100 कट

गैंग्स ऑफ वासेपुररू 100 कट

डेल्ही बेलीरू 20 कट

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराया

ईस्ट लंदन 22 जनवरी। गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद हाशिम अमला और फाफ डु प्लेसिस के नाबाद अर्धशतकों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में यहां वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 3–0 की विजयी बढ़त बना ली। लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने कल यहां अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर चार विकेट चटकाए जिससे वेस्टइंडीज की टीम 33.4 ओवर में 122 रन पर ही ढेर हो गई। ताहिर के अलावा वर्नन फिलेंडर ने 27 रन देकर तीन जबकि डेल स्टेन ने 21 रन देकर दो विकेट चटकाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने अमला (63 गेंद में नाबाद 61, नौ चौके) और डु प्लेसिस (71 गेंद में नाबाद 51, पांच चौके) के अर्धशतकों और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 97 रन की अटूट साझेदारी की मदद से 24.4 ओवर में ही एक विकेट पर 124 रन बनाकर मैच जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका ने एकमात्र विकेट सलामी बल्लेबाज रिली रोसेयु का गंवाया जो जेसन होल्डर का शिकार बने। उन्होंने सात रन बनाए। इससे पहले वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और फिलेंडर ने उनके फैसले को गलत साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फिलेंडर ने अपने पहले दो ओवरों में सलामी बल्लेबाजों ड्वेन स्मिथ (05) और क्रिस गेल (01) को पवेलियन भेजकर चौथे ओवर में ही वेस्टइंडीज का स्कोर दो विकेट पर छह रन कर दिया। वेस्टइंडीज की टीम इन शुरूआती झटकों से नहीं उबर पाई और उसने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। टीम की ओर से मार्लन सैमुअल्स ने सर्वाधिक 26 रन बनाए। उनके अलावा पांच और बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे लेकिन कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाया। ग्यारहवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सुलेमान बेन (18) और होल्डर (नाबाद 17) ने अंतिम विकेट के लिए 26 रन जोड़कर टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया।

सेरेना विलियम्स और जोकोविच तीसरे दौर में

मेलबर्न 22 जनवरी। अमेरिकी धुरंधर सेरेना विलियम्स ने भीषण गर्मी के बीच खेले गए मुकाबले में रूस की वेरा ज्वोनारेवा को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया जबकि पुरुष वर्ग में भी शीर्ष वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच अगले दौर में पहुंच गए। मेलबर्न पार्क पर 33 डिग्री तापमान में खेले गए मुकाबले में 18 बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन सेरेना को मौसम से तालमेल बिठाने में समय लगा। उसने 7द5, 6द0 से जीत दर्ज करके छठा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने का अपना सपना बरकरार रखा। अब उसका सामना स्पेन की गार्बाइन मुगुरूजा से होगा जिसने डेनियला हंतुचोवा को 6द1, 0द6, 6द1 से मात दी। पांचवीं बार यहां खिताबी जीत का लक्ष्य लेकर उतरे जोकोविच ने रूस के आंद्रे कुज्नेत्सोव को 6द0, 6द1, 6द4 से मात दी। वहीं गत चैम्पियन स्टान वावरिंका ने रोमानिया के मारियस कोपिल को 7द6, 7द6, 6द3 से हराया। अन्य मैचों में पोलैंड की छठी वरीयता प्राप्त एग्निएस्का रेडवांस्का ने स्वीडन की योहाना लार्सन को 6द0, 6द1 से हराया। सेरेना की बहन वीनस ने अमेरिका की लौरेन डेविस को 6द2, 6द3 से परास्त किया। पुरूष वर्ग में जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केइ निशिकोरि ने क्रोएशिया के इवान डोडिग को 4द6, 7द5, 6द2, 7द6 से हराया। स्पेन के 12वीं वरीयता प्राप्त फेलिसियानो लोपेज और अमेरिका के 19वीं वरीयता प्राप्त जान इसनेर भी अगले दौर में पहुंच गए।

भूपति मेल्जर की जोड़ी आस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर

मेलबर्न 22 जनवरी। भारत के महेश भूपति और आस्ट्रिया के जर्गन मेल्जर की जोड़ी आस्ट्रेलियाई ओपन पुरूष युगल मुकाबले में अर्जेंटीना के डिएगो श्वार्ट्जमैन और होरासियो जेबालोस से सीधे सेटों में हारकर बाहर हो गई। भूपति और मेल्जर को पहले दौर में 4–6, 3–6 से पराजय झेलनी पड़ी। नौ महीने के ब्रेक के बाद कोर्ट पर लौटे भूपति लय हासिल करने के लिये जूझते रहे। उन्होंने पहला टूर्नामेंट चेन्नई ओपन खेला जिसमें वह दूसरे दौर में हमवतन साकेत मायनेनी से हार गए थे। भूपति और मेल्जर ने 27 सहज गलतियां की जबकि उनके विरोधियों ने सिर्फ नौ ऐसी गलतियां कीं।

पहला सेट करीबी था जिसमें दोनों टीमों ने नौवें गेम तक सर्विस बरकरार रखी। भूपति ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया लेकिन छह फुट दो इंच लंबे जेबालोस की दमदार सर्विस के आगे वे टिक नहीं सके। दूसरे सेट के दूसरे ही गेम में भूपति की सर्विस टूटी। श्वार्ट्जमैन ने सर्विस विनर लगाकर इसे ड्यूस मे बदला जिस पर भूपति ने डबल फाल्ट करके अपनी मुश्किलें और बढ़ा ली। अर्जेंटीनाई खिलाड़ियों ने 3–0 की बढ़त बना ली। भूपति और मेल्जर के पास वापसी का मौका था लेकिन उन्होंने गंवा दिया।

इंग्लैंड को हराकर फाइनल में आना चाहेगा ऑस्ट्रेलिया

होबार्ट 22 जनवरी। कप्तान जार्ज बेली समेत तीन प्रमुख खिलाड़ियों के बाहर होने के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत इंग्लैंड को कल हराकर त्रिकोणीय एक दिवसीय श्रृंखला के फाइनल में प्रवेश के इरादे से उतरेगी। मेजबान टीम दोनों मैच जीतकर शीर्ष पर है। उसे हालांकि कप्तान बेली की कमी खलेगी जो भारत के खिलाफ मैच में धीमी ओवरगति के कारण एक मैच का निलंबन झेल रहे हैं। वहीं फिटनेस कारणों से शेन वाटसन और डेविड वार्नर भी बाहर हैं। इंग्लैंड को पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने हराया था लेकिन अगले मैच में उसने भारत पर बोनस अंक के साथ जीत दर्ज करके खोया आत्मविश्वास हासिल किया।

ऑस्ट्रेलिया एक और मैच जीत लेता है तो एक फरवरी को पर्थ में होने वाले फाइनल में जगह बना लेगा। कार्यवाहक कप्तान स्टीवन स्मिथ टेस्ट श्रृंखला के शानदार फार्म को वनडे में भी बरकरार रखना चाहेंगे। भारत के खिलाफ इंग्लैंड का प्रदर्शन बेहतर रहा और उसे यकीन है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के नियमित सदस्यों की गैर मौजूदगी का वे फायदा उठा सकेंगे। वार्नर की जगह ऑस्ट्रेलिया ने शान मार्श को और वाटसन की जगह कैमरून व्हाइट को शामिल किया है। देखना यह है कि क्या मिशेल मार्श भी यह मैच खेलते हैं। इंग्लैंड के लिये उसके बल्लेबाजों ने भारत के खिलाफ खुलकर खेला हालांकि उन्हें सिर्फ 154 रन का लक्ष्य मिला था और कोई दबाव नहीं था।

स्माइजेक ने मैच हारा लेकिन खेलभावना से जीता दिल

मेलबर्न 22 जनवरी। शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों रफेल नडाल और नोवाक जोकोविच ने अमेरिका के टिम स्माइजेक की खेलभावना की तारीफ की है जो उसने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में उस समय दिखाई जब नतीजा कुछ भी हो सकता था। पांचवें सेट में नडाल के सर्विस लेने से पहले एक दर्शक जोर से चिल्लाया जिससे नडाल का ध्यान भटका और उन्होंने गलती कर दी। स्माइजेक ने हालांकि दुर्लभ खेलभावना का नमूना पेश करते हुए नडाल को पहली सर्विस दोबारा लेने के लिये कहा जिससे वह गलती नहीं मानी गई। नडाल ने वह मैराथन मुकाबला जीतकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया जबकि स्माइजेक हारकर बाहर हो गए। गलाकाट प्रतिस्पर्धा के दौर में स्माइजेक का यह कदम चर्चा का विषय बन गया है। नडाल ने कहा, '' करीब चार घंटे चले बराबरी के मुकाबले के बाद बहुत कम खिलाड़ी ऐसा करते, जो उसने किया। मैं उसे धन्यवाद देना चाहता हूं। वह काफी सज्जन इंसान है और ऐसा बहुत लोग नहीं कर पाते।'' दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच ने कहा, '' स्माइजेक ने जबर्दस्त खेलभावना का प्रदर्शन किया। लोगों को प्रतिद्वंद्विता और आक्रामकता की बजाय इस पर बात करनी चाहिये।

अमेरिका भारत के साथ व्यापार संबंध बढ़ाएगा

वाशिंगटन 22 जनवरी। द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डालर से बढ़ाकर 500 अरब डालर करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ अमेरिका को उम्मीद है कि राष्ट्रपति बराक ओबामा की आगामी भारत यात्रा से व्यापार और निवेश संबंध बढ़ेंगे। उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बेन रोड्स ने संवाददाताओं से कहा ''व्यापार और निवेश क्षेत्र में हम संबंध बढ़ाने पर विचार करेंगे ताकि दोनों तरफ से ज्यादा निर्यात हो सके और दोनों दिशाओं में निवेश बढ़े।'' ओबामा के साथ इस यात्रा में वाणिज्य मंत्री पेनी प्रिजकर और व्यापार प्रतिनिधि माइक फ्रोमैन भी होंगे जिससे यह स्पष्ट होता है कि द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को कितनी प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने कहा ''व्यापार और निवेश के लिहाज से संबंध में अपार संभावना है इसलिए हम देखेंगे कि अमेरिका–भारत वाणिज्यिक संबंध बढ़ाने के लिए कई तरह की बाधाओं से कैसे निपट सकते हैं।'' रोड्स ने एक सवाल के जवाब में कहा ''हम निश्चित तौर पर हमेशा भारत में ज्यादा अमेरिकी निर्यात की वकालत करते हैं लेकिन हमारा मानना है कि इस संबंध में विशाल संभावना है। साथ ही हम दोनों देशों में रोजगार सृजन और उल्लेखनीय मात्रा में आर्थिक वृद्धि का समर्थन करते हैं।'' उन्होंने कहा कि कई तरह की व्यापार बाधाएं हैं जिनके कारण कुछ मामलों में संबंध सीमित है। कई शीर्ष अमेरिकी उद्योगपति भारत के साथ मुख्य कार्यकारियों की बैठक के लिए अलग से वहां जा रहे हैं। दिल्ली में इस बैठक को ओबामा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे।

पहले और भी खराब छींटाकशी होती थी : फ्लिंटाफ

लंदन 22 जनवरी। छींटाकशी पर नकेल कसने की आईसीसी की मुहिम से भले ही ऐसा लग रहा हो कि खिलाड़ियों का बर्ताव अब बदतर हो गया है लेकिन इंग्लैंड के पूर्व हरफनमौला एंड्रयू फ्लिंटाफ का मानना है कि दो दशक पहले मैदानी छींटाकशी का स्तर और भी खराब था। आईसीसी ने चेताया है कि अगले महीने विश्व कप के दौरान छींटाकशी करने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। हाल ही में त्रिकोणीय वनडे श्रृंखला के दौरान भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा से उलझने के कारण डेविड वार्नर पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

फ्लिंटाफ ने कहा कि दो दशक पहले इससे भी खराब भाषा का इस्तेमाल होता था। उन्होंने कहा, ''बीस साल पहले छींटाकशी इससे भी खराब होती थी। अब तो स्टम्प माइक्रोफोन और कैमरों के कारण सब कुछ पता चल जाता है।'' उन्होंने कहा, '' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मेरे शुरूआती टेस्ट में डेरिल कलीनन के साथ मेरा अनुभव बहुत खराब रहा। मैं बहुत छोटा था और उसने मुझसे जो कहा, मुझे उसका मतलब भी नहीं पता था। उसने जो कहा, वह किसी भी खेल या समाज में स्वीकार्य नहीं है।'' उन्होंने कहा कि कुछ ऑस्ट्रेलियाई भाषा के इस्तेमाल को लेकर काफी बेहतर हैं, भले ही उन्हें सबसे आक्रामक माना जाता हो। उन्होंने कहा, ''एडम गिलक्रिस्ट को आक्रामक माना जाता है लेकिन वह कभी आपको आहत नहीं करते थे। शेन वार्न भी ऐसा ही था।''

जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही पूर्व जिम्नास्ट

कोलकाता 22 जनवरी। पूर्व जिम्नास्ट और 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में जज रह चुकी सौमिता डे शहर के एक अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच लड़ाई लड़ रही है। 2012 से न्यूरोसार्कोइडोसिस से जूझ रही 27 बरस की डे अपने पैर उठा भी नहीं सकती है। उसके शरीर के निचले हिस्से को लकवा मार चुका है। करीब एक दशक (1998 से 2008) तक राष्ट्रीय स्तर पर बंगाल का प्रतिनिधित्व करने के बाद भी सौमिता ने 2005 से कोचिंग में कैरियर शुरू किया। उसने पटियाला के नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान से 2008 में कोचिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया। उस अस्पताल में अपने बिस्तर से बातचीत में कहा, '' मेरी जिंदगी अच्छी चल रही थी लेकिन अचानक सब कुछ थम गया।''

उसकी बहन सोमा डे ने कहा कि शुरूआत में उसे मूत्राशय संबंधी परेशानियां आई जिसका इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया गया। उसके दो दिन के भीतर उसकी हालत बिगड़ गई और वह चल भी नहीं पा रही थी। उसने कहा, '' उसके बाद हम उसे एसएसकेएम ले गए जहां डाक्टरों ने कहा कि उसकी हड्डियों में टीबी हो गया है। उन्होंने उपचार शुरू किया लेकिन कोई फायदा नहीं होते देख हम उसे घर ले आए और न्यूरोलाजिस्ट से उपचार शुरू कराया। उसमें भी फायदा नहीं होने पर उसे बंगलुरू स्थित निमहैंस में दिखाया गया। उसने कहा, '' मुझे हड्डियों का टीबी नहीं हुआ था। मेरा गलत उपचार हुआ। निम्हैंस में उपचार के बाद मेरी स्थिति सुधरी लेकिन उसके बाद हालत खराब हो गई और दोनों पैरों में लकवा मार गया। मेरे बाल भी उड़ गए और शरीर में सूजन आ गई।''

चीन के लिए व्यापक निर्यात रणनीति बना रही सरकार

नयी दिल्ली 22 जनवरी। चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे से चिंतित वाणिज्य मंत्रालय एक व्यापक निर्यात रणनीति बना रहा है। इसके तहत पड़ोसी देश को निर्यात बढ़ाने के लिए विशेष उत्पादों की पहचान की जा रही है। इस वित्त वर्ष में चीन के साथ व्यापार घाटा 40 अरब डालर पार कर जाने की संभावना है। एक अधिकारी ने कहा, ''चीन के साथ व्यापार घाटा काफी तेजी से बढ़ रहा है। अभी तक यह 32 अरब डालर पर पहुंच चुका है और इस वित्त वर्ष में इसके 40 अरब डालर पर पहुंच जाने की संभावना है।''

इस अंतर को कम करने के लिए वाणिज्य मंत्रालय रणनीति बना रहा है, जिसके तहत उसने विशेषीकृत उत्पादों की पहचान की है। इनमें कपड़ा, वाहन कलपुर्जे, फार्मास्युटिकल्स, भैंस का मांस, समुद्री उत्पाद, चावल व अन्य कृषि उत्पाद शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि इन क्षेत्रों के लिए चीन के बाजार में व्यापक संभावनाएं हैं।

मैदानी बहस टीवी पर अधिक भद्दी दिखती है : पोंटिंग

सिडनी 22 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेट कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि मैदान पर हुई बहस टीवी पर वास्तविकता की तुलना में अधिक 'भद्दी' नजर आती है और भारत के रोहित शर्मा से उलझने के बाद डेविड वार्नर पर लगा जुर्माना 'वास्तविक तस्वीर' से अधिक कैमरा फुटेज का नतीजा था। वार्नर का मैदानी बर्ताव पिछले कुछ समय से समीक्षा के दायरे में रहा है और एमसीजी पर ऑस्ट्रेलिया की जीत के दौरान रोहित को 'अंग्रेजी में बात करो' कहने के लिए उन पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था। पोंटिंग ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' में अपने कालम में लिखा, ''डेविड वार्नर ने जब एमसीजी में ओवरों के बीच में रोहित शर्मा से बात की तो मुझे वह कुछ प्रकरण याद आ गए जिनका मैदान पर मैं हिस्सा रहा हूं। इसकी शुरूआत कैसे भी हो और जो भी कहा जाए, ये काफी अच्छे नजर नहीं आते और जैसा कि मैंने वर्षों में समझा है, मैदान के बाहर से इन बातों को जिस तरह देखा जाता है वह असल में चर्चा किए गए प्रकरण या इस्तेमाल किए गए शब्दों से अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।'' उन्होंने कहा, ''यह डेविड के मामले में सही है, जहां उस पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना मुख्य रूप से उसे टीवी पर जिस तरह से दिखाया गया और दुनिया भर के प्रशंसकों ने इसे जिस तरह देखा उसके कारण लगा।''

ऑस्ट्रेलियाई 'भेड़ियों' के झुंड से सावधान रहें : ब्रेट ली

सिडनी 22 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने विश्व कप के लिये अपने देश के तेज आक्रमण को 'भेड़ियों का सबसे बड़ा झुंड' करार देते हुए कहा है कि विरोधी टीमों के लिये उनका सामना करना गंभीर चुनौती होगी। ऑस्ट्रेलियाई तेज चौकड़ी में मिशेल जानसन, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड शामिल हैं जो 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं।

भारत को तेजी से फैसले करने की जरूरत : कोचर

दावोस 22 जनवरी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का पहला पहले पूर्ण बजट पेश होने से पहले आईसीआईसीआई बैंक की प्रमुख चंदा कोचर ने आज कहा कि निवेशक 'निरंतर तथा तेज निर्णय प्रक्रिया' और बुनियादी ढांचा समेत विभिन्न क्षेत्रों में सरकार की पूंजी निवेश योजनाओं की उम्मीद कर रहे हैं। विश्व आर्थिक मंच की सालाना बैठक में भाग लेने यहां पहुंची कोचर ने कहा कि हर कोई जीएसटी कानून को अंतिम रूप दिए जाने और कारोबार सुगम बनाने तथा निवेश बढ़ाने के लिए कदम उठाये जाने की उम्मीद कर रहा है। उन्होंने कहा, ''प्रमुख नीतिगत पहल के तौर पर मेरा मानना है कि हर कोई जीएसटी कानून को अंतिम रूप दिये जाने और इसके क्रियान्वयन की समय सीमा की तरफ देख रहा है।'' आईसीआईसीआई बैंक की महाप्रबंधक और सीईओ ने एक साक्षात्कार में कहा, ''व्यावसाय करने में सरलता और आर्थिक वृद्धि में सुधार के लिये इसकी उम्मीद की जा रही है।'' ''हम आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिये निवेश बढ़ाने के कदमों को लेकर भी उम्मीद लगाये बैठे हैं। हम सरकार की पूंजी निवेश योजना के बारे में भी नजरें लगाये हुये हैं, विशेषतौर पर ढांचागत परियोजनाओं, रेलवे तथा ऐसे ही अन्य क्षेत्रों में उम्मीद है।'' कोचर ने हालांकि कहा, ''आज लोग जो देखना चाहते हैं वह यह कि लगातार और तेजी से निर्णय हों। केवल बजट पर ही चीजें निर्भर नहीं रहें बल्कि दैनिक आधार पर कार्रवाई हो।'' उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि काफी कुछ अच्छा हो रहा है।''

स्काइप, व्हाट्सएप के खिलाफ नहीं हैं कंपनियां

नयी दिल्ली 22 जनवरी। भारती इंटरप्राइजेज के वाइस चेयरमैन अखिल गुप्ता ने कहा है कि दूरसंचार कंपनियां स्काइप, वाइबर व व्हाट्सएप जैसी कंपनियों के खिलाफ नहीं हैं बल्कि वह उनके साथ तालमेल में काम करना चाहती हैं। गुप्ता ने यहां कन्वर्जेंस इंडिया 2015 के अवसर पर कहा, 'हमारी आय डेटा सेवाओं की ओर जा रही है। दूरसंचार उद्योग ओवर द टॉप (ओटीटी) में नवोन्मेष के लिए ही है और यह स्वागतयोग्य है। यह कहना गलत होगा कि दूरसंचार कंपनियां ओटीटी के खिलाफ हैं।' उल्लेखनीय है कि दूरसंचार कंपनियां अपनी आय पर व्हाट्सएप, वाइबर, लाइन व स्काइप जैसे एप्लिकेशन के जरिये इंटरनेट मैसेजिंग व कॉल सेवाओं से पड़ने वाले असर को लेकर चिंता जताती रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव 22 जनवरी, 2015 को लखनऊ में आयोजित 'एग्रीहॉर्टी टेक उत्तर प्रदेश' में एक कृषक को सम्मानित करते हुए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव 22 जनवरी, 2015 को जनेश्वर मिश्र पार्क, लखनऊ में स्व0 जनेश्वर मिश्र की 5वीं पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए।

मुख्यमंत्री ने 'एग्रीहॉर्टी टेक उत्तर प्रदेश' का उद्घाटन किया

- ऐसी प्रदर्शनी के आयोजन से किसानों एवं उद्यमियों के बीच की दूरी कम होगी
- राज्य सरकार गांव एवं किसान की प्रगति के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है
- प्रदेश सरकार के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदल रही है
- आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे से किसानों को तेजी से अपने उत्पाद शहरों तक पहुंचाने का मौका मिलेगा

लखनऊ 22 जनवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आने वाले समय में प्रदेश के किसानों और गरीबों की स्थिति में काफी सुधार होगा, क्योंकि राज्य सरकार गांव एवं किसान की प्रगति के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है, जिसका सीधा असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को सिंचाई की मुफ्त सुविधा उपलब्ध करा रही है। कृषि क्षेत्र के लिए पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अलग फीडर की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वर्ष 2016 से ग्रामीण क्षेत्रों में 16 घण्टे विद्युत आपूर्ति होने लगेगी।

मुख्यमंत्री आज यहां स्मृति उपवन में पी.एच.डी. चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज़ के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय 'एग्रीहॉर्टी टेक उत्तर प्रदेश' (इण्टरनेशनल एक्जीबिशन ऑन एग्रीकल्चर एण्ड हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी) के उद्घाटन अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। आयोजन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कम से कम दो बार ऐसी प्रदर्शनी का आयोजन किया जाना चाहिए। इससे किसानों एवं कृषि आधारित उद्यमियों के बीच की दूरी कम होगी और किसानों को आधुनिक तकनीक, नये विचार एवं अन्य देशों में कृषि के क्षेत्र में हो रहे बदलाव की जानकारी मिलेगी। ज्ञातव्य है कि इस प्रदर्शनी में विभिन्न प्रदेशों के अलावा नीदरलैण्ड, ऑस्ट्रेलिया, इजराइल आदि देश भी भाग ले रहे हैं।

श्री यादव ने कहा कि किसानों की आर्थिक तरक्की के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न नीतियों को बनाकर किसानों एवं उद्योगों को आपस में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कामधेनु डेयरी योजना से जहां दुग्ध उत्पादकों की आमदनी में बढ़ोत्तरी हुई है, वहीं प्रदेश में दुग्ध उत्पादन भी बढ़ा है। इससे अमूल जैसी कम्पनियां प्रदेश में तेजी से अपना विस्तार कर रही हैं। राज्य सरकार छोटे किसानों को एक या दो दुधारू पशु पालन के लिए सहयोग देने पर विचार करेगी। इसी प्रकार कुक्कुट विकास नीति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की आबादी को देखते हुए प्रतिदिन लगभग 02 लाख से अधिक अण्डों की जरूरत पड़ती है। प्रदेश सरकार कुक्कुट पालन की परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए भी गम्भीरता से काम कर रही है। इसी प्रकार मत्स्य पालन को भी बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार के इन प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदल रही है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से नई तकनीक अपनाकर अधिक से अधिक पैदावार प्राप्त करने के अलावा कृषि आधारित उद्योग–धंधे शुरू करने का आह्वान किया, ताकि उनकी आय बढ़े और प्रदेश खुशहाल बने।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों को बड़े नगरों से जोड़ने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार द्वारा निर्मित कराए जा रहे आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे से जहां किसानों को तेजी से अपने उत्पाद शहरों तक पहुंचाने का मौका मिलेगा, वहीं एक्सप्रेस–वे के दोनों तरफ बड़ी एवं आधुनिक सुविधाओं से लैस मण्डियों की स्थापना भी की जाएगी। इन मण्डियों में फूड प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना को भी बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने प्रदेश के किसानों द्वारा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे तमाम अभिनव प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आलू, गन्ना, दुग्ध, गेहूं आदि के उत्पादन में अन्य प्रदेशों से काफी आगे है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि उद्यमी अब किसानों का महत्व समझते हुए, उनसे जुड़ने एवं उन्हें कृषि क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलाव की जानकारी दे रहे हैं।

विकसित देशों द्वारा कृषि एवं किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की चर्चा करते हुए श्री यादव ने कहा कि ये सभी देश किसानों की बदौलत ही खुशहाल बने हैं। इसमें उद्यमियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसको ध्यान में रखते हुए ही प्रदेश सरकार भी राज्य के किसानों की आय में बढ़ोत्तरी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि समृद्धि के साथ–साथ लोगों की फल सब्जियों एवं अन्य कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी, जिसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। उन्होंने प्रदर्शनी में लगाए गए स्टॉलों को अत्यन्त उपयोगी एवं जानकारीपरक बताते हुए कहा कि इससे किसानों को नई तकनीक देखने, समझने, जानने और अपनाने का मौका मिलेगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रति हेक्टेयर सर्वाधिक गन्ना, मत्स्य, गाजर, केला, धान, गेहूं एवं दलहन उत्पादकों के साथ–साथ अधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले पशु पालकों आदि को सम्मानित किया।

इसके अलावा उन्होंने नाबार्ड तथा स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा ऋण प्राप्त कर सफलता का कीर्तिमान स्थापित करने वाले किसानों को भी सम्मानित किया। साथ ही, सुलभ शौचालय के संस्थापक श्री बिन्देश्वरी पाठक को भी सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया एवं उनके उत्पादों तथा प्रदान की जा रही सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

इससे पूर्व, पी.एच.डी. चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के अध्यक्ष श्री आलोक वी. श्रीराम तथा उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष डॉ. ललित खेतान ने मुख्यमंत्री सहित कार्यक्रम में शामिल किसानों एवं विभिन्न कम्पनियों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया और आश्वस्त किया कि उनकी संस्था द्वारा इस प्रकार का प्रयास आगे भी जारी रखा जाएगा। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव कृषि श्री अमित मोहन प्रसाद सहित उद्यमी एवं किसान शामिल थे।

निर्धारित अवधि में मुख्यमंत्री की घोषणाओं को पूरा न करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही होगी

जनहित से जुड़े कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता पर पूरा करना जरूरी मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में प्रमुख सचिव ने की समीक्षा

लखनऊ 22 जनवरी। मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देशों के क्रम में उनके प्रमुख सचिव श्री राकेश बहादुर ने आज आहूत एक बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा समय–समय पर की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। मुख्यमंत्री की घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर बल देते हुए प्रमुख सचिव ने सभी विभागीय प्रमुख सचिव/सचिवों से यह अपेक्षा की कि वे इस सम्बन्ध में नियमित समीक्षा करते हुए घोषणाओं को निर्धारित अवधि में पूरा कराएं।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि निर्धारित अवधि में घोषणाओं को पूरा न करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। जनता की जरूरतों और दिक्कतों के मद्देनजर मुख्यमंत्री द्वारा समय–समय पर घोषणाएं की जाती हैं। जनहित से जुड़े इन कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता पर पूरा करना जरूरी है, ताकि लोगों को इनका पूरा लाभ मिल सके।

शीतलहर एवं ठण्ड से बचाव सम्बन्धी उपायों की लगातार निगरानी

अब तक 4 लाख 48 हजार 401 कम्बल वितरित किए गए

लखनऊ 22 जनवरी। राज्य में शीतलहर एवं ठण्ड से बचाव सम्बन्धी किए जा रहे उपायों के मद्देनजर अब तक प्रदेश में 04 लाख 48 हजार 401 कम्बल वितरित किए गए हैं और इस समय 10 हजार से अधिक अलाव जलाए जा रहे हैं। गरीबों को राहत पहुंचाने के लिए 490 रैन बसेरे संचालित किए जा रहे हैं। यह जानकारी देते हुए राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि शीतलहर एवं ठण्ड से बचाव सम्बन्धी किए जा रहे उपायों की शासन द्वारा निरन्तर निगरानी रखी जा रही है। प्रवक्ता ने बताया कि दैवीय आपदा राहत मद में अतिरिक्त मांग किए जाने पर राज्य सरकार द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए जनपदों को धनराशि निर्गत कर उपलब्ध कराई जा रही है।

झांसा देकर पैसा ऐंठने वाले 5 कबूतरबाज गिरफ्तार

लखनऊ 22 जनवरी। विदेशों में नौकरी का झांसा देकर कथित रूप से लगभग एक हजार बेरोजगारों से 25 करोड़ रुपये ऐंठने वाले पांच कबूतरबाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। लखनऊ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशस्वी यादव ने आज यहां बताया कि इस गिरोह का नेटवर्क उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में फैला हुआ था। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ये लोग मुंबई, कोलकाता और बंगलुरु के अलावा खाड़ी देशों में मौजूद एजेंटों के संपर्क में रहते थे।

पांचों कबूतरबाजों को पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैसरबाग से गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान इन जालसाजों ने स्वीकार किया कि उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों के 346 लोगों को गैर कानूनी ढंग से टूरिस्ट वीजा पर विदेश भेजा। प्रवक्ता के मुताबिक जालसाजों के ठिकाने से 75 पासपोर्ट, 204 पासपोर्ट की फोटोकापी, 68 फर्जी मेडिकल प्रमाण पत्र, 29 फर्जी वीजा और आठ वीजा आवेदन फार्म बरामद हुए है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशस्वी यादव का कहना है कि जालसाज लोगों को वर्क वीजा के बजाय टूरिस्ट वीजा पर भेजते थे। आवेदकों का मेडिकल सर्टिफिकेट फर्जी लेटर हेड पर बनाया जाता था। प्रत्येक आवेदक से ढाई से तीन लाख रुपये वसूले जाते थे।

जीआरपी के जवानों के रहने हेतु जीआरपी थानों व चौकियों पर बनेंगे प्री–फेब्रिकेटेड बैरक

लखनऊः 22 जनवरी। राजकीय रेलवे पुलिस के थानों एवं चौकियों पर कार्य करने वाले जवानों के रहने हेतु प्री–फेब्रिकेटेड बैरक निर्मित कराये जाने का निर्णय शासन द्वारा लिया गया है। इन प्री–फेब्रिकेटेड बैरक में टॉयलेट/बॉथरूम की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

प्रमुख सचिव गृह श्री देबाशीष पण्डा ने आज यहां जानकारी देते हुये बताया कि प्रदेश में स्थित राजकीय रेलवे पुलिस के 65 थानों 43 रिर्पोटिंग पुलिस चौकियों तथा 35 अस्थायी पुलिस चौकियों हेतु प्री–फेब्रिकेटेड बैरक मय टॉयलेट/बॉथरूम के निर्माण हेतु शासन द्वारा 30 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस धनराशि का आवंटन पुलिस महानिदेशक, पुलिस मुख्यालय इलाहाबाद को कर दिया गया है।

टोंटा हत्याकांड में राकेश का भरतपुर में सरेंडर

लखनऊ। मथुरा जेल से लेकर सड़क तक गैंगवार में मथुरा पुलिस के नाम एक और बड़ी असफलता की कहानी है। मथुरा पुलिस की टीमें जिस राकेश चौधरी की तलाश में पश्चिमी उप्र के जिलों की खाक छानती रहीं, वह बहुत दूर नहीं गया। जिले की सीमा से सटे भरतपुर में अदालत के सामने सरेंडर कर दिया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है, जबकि शूटर नदीम और रामकुमार अभी तक पुलिस को सुराग नहीं लग सका है।

पश्चिमी उप्र के कुख्यात ब्रजेश मावी के खास गुर्गे मथुरा के पानी गांव निवासी राकेश चौधरी ने अपने गुरु की हत्या का बदला लेने के लिए गहरी साजिश रची थी। बीते शनिवार को जेल की बैरक नंबर छह में शूट आउट को अंजाम दिलाया। इसमें मावी का हत्यारोपी राजेश टोंटा घायल हुआ था। पुलिस अभिरक्षा में राजेश टोंटा को आगरा ले जाते समय राकेश और उसके साथियों ने रास्ते में उसे गोलियों से भून दिया। इस मामले में पुलिस ने राकेश के साथी गोपाल यादव और साजिश में शामिल बंदी रक्षक कैलाश गुप्ता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। राकेश चौधरी और उसके दो शूटर्स नदीम और रामकुमार की तलाश में पुलिस जुटी थी।

वहीं भरतपुर अदालत से 2008 के एक मामले में राकेश चौधरी के खिलाफ वारंट चल रहे थे। बुधवार को राकेश आत्मसमर्पण कर जेल चला गया। वहीं मेरठ और गाजियाबाद के शूटर रामकुमार और नदीम का भी पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मेरठ और गाजियाबाद गई पुलिस टीमें भी खाली हाथ लौट आई हैं।

जिला अस्पताल से लेकर फरह टोल तक शूटर्स को एंबुलेंस की जानकारी दे रहे शातिर भी पुलिस की गिरफ्त से दूर बने हुए हैं।

एसपी भरतपुर राहुल प्रकाश ने बताया कि राकेश चौधरी के अदालत में आत्मसमर्पण किए जाने की सूचना मथुरा पुलिस को दे दी गई है।

विधान परिषद की बारह सीटें और तेरह दावेदार, कल फैसले की घड़ी

लखनऊ। विधान परिषद की 12 सीटों के लिए 13 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला शुक्रवार को होगा। सुबह नौ से शाम चार बजे तक मतदान होगा। इसके बाद मतों की गिनती शुरू होगी। ऐसे में एक उम्मीदवार की हार तय है। आज देर रात तक सभी दलों में वोटों का जोड़तोड़ होता रहा। सपा मुख्यालय में डिनर पर विधायकों को मतदान के टिप्स दिए गए। सपा को अपने आठों उम्मीदवार जिताने की चिंता है। कांग्रेस के 28 विधायकों का समर्थन मिलने के बाद सपा को सुकून में है।

सबसे ज्यादा बेचौनी बसपा खेमे में हैं। उसके 80 विधायक हैं। तीसरा प्रत्याशी जिताने के लिए 13 वोटों की जरूरत है। रालोद के आठ विधायकों का साथ मिलने के बाद भी उसे वोटों का इंतजाम करने के लिए अन्य दलों में सेंध लगानी है। आज बसपा विधायकों की बैठक में वोट की प्रक्रिया समझाई गई।

बारिश के साथ कई जगह ओले गिरने से बढ़ी ठंड

लखनऊ। पश्चिम और मध्य उत्तर प्रदेश में आज बारिश ने फिर से सर्दी बढ़ा दी है। कई जिलों में ओले भी गिरे। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हालांकि बारिश की संभावना कम है। लखनऊ में सुबह धूप खिली, लेकिन कुछ ही देर में बादलों ने आसमान को अपनी गिरफ्त में ले लिया। कुछ ही देर में बूंदाबांदी और हल्की बारिश शुरू हो गई। मध्य उत्तर प्रदेश में बारिश के बाद मौसम के तेवर फिर तल्ख हो गए। महोबा, हरदोई व फर्रुखाबाद के साथ कई जिलों में सुबह से ही बरसात शुरू हो गई। महोबा, औरैया और हमीरपुर में भी हल्की बूंदाबांदी से मौसम और सर्द हो गया। पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में आज धूप निकली। वाराणसी में सुबह थोड़ा कोहरा जरूर था लेकिन सूरज के चढने के साथ ही छंट गया। इलाहाबाद और गोरखपुर में भी मौसम सामान्य रहा। सूर्य निकलने से तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि शाम से बादल छाने लगे। पश्चिमी उप्र में बुधवार देर रात से शुरू हुआ बूंदाबांदी का सिलसिला आज पूरे दिन चलता रहा। फीरोजाबाद में बारिश के चलते एक मकान की दीवार गिरने से मलबे में दबकर आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। बागपत के बड़ौत क्षेत्र में ओलावृष्टि हुई। अलीगढ़ में पूरे दिन बूंदाबांदी होती रही।

उत्तर प्रदेश के किसान सर्दी की इस बारिश को रबी की मुख्य फसल गेहूं और जौ के लिए फायदेमंद बता रहे हैं, जबकि आलू, चना, फूल गोभी और टमाटर की फसल के लिए यह नुकसानदायक है। गेहूं और आलू उत्पादक किसानों को दूसरी–तीसरी सिंचाई की लागत का मुनाफा इस बारिश से हुआ है।

क्षेत्राधिकार बढ़ाने के मुद्दे पर समर्थन जुटाएगी अवध बार की कमेटी

लखनऊ। उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ का क्षेत्राधिकार बढ़ाए जाने के मुद्दे पर अवध बार के वरिष्ठ वकीलों की कमेटी कानपुर, बरेली व मुरादाबाद मंडलों की सभी अदालतों व बार एसोसिएशनों में जाकर वकीलों व वादकारियों के हितों के लिए लखनऊ पीठ से जुडने की अपील करेगी। वकीलों का समर्थन जुटाकर क्षेत्राधिकार बढ़ाये जाने की रणनीति तय की जाएगी।

अवध बार के अध्यक्ष अमिताभ मिश्रा के आह्वाान पर गुरुवार को हुई खुली बैठक में वरिष्ठ वकीलों ने यह रणनीति तय की है। सचिव रमेश पांडेय ने बताया कि इन विचारों पर शुक्रवार को अवध बार निर्णय लेगी। वरिष्ठ वकीलों ने अधिवक्ताओं से भी अपील की कि वह क्षेत्राधिकार बढ़ाए जाने के मुद्दे पर लड़ाई लड़ें। केवल हड़ताल करने से मांग पूरी नहीं होगी बल्कि इसके लिए समर्थन जुटाकर लड़ाई लडनी होगी। हड़ताल भी सहायक है, लेकिन पूरी तरह से इसका सहारा लेना उचित नहीं है। अवध बार एसोसिएशन ने फिलहाल 23 जनवरी को भी न्यायिक कार्य नहीं करने का निर्णय लिया है।

समाजवाद का उदय

प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक एवं स्वामी ममता त्रिपाठी द्वारा प्रभात प्रिन्टर्स स्टैण्डर्ड फयूल सेन्टर, मोहिबुल्लापुर, सीतापुर रोड से छपवाकर 3/1 आफीसर्स कालोनी कैसरबाग, लखनऊ से प्रकाशित किया गया।

लखनऊ ☎ कार्या : : 8604835754, 09953422711, 9459410050

ID MAIL- reporterprabhat1963@ indiatimes.com

prabhattripathi1963@gmail.com